दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 2 | अंक: 358 जयपुर, शुक्रवार, 08 दिसंबर, 2023 | मार्गशीर्ष, कृष्ण पक्ष- एकादशी, विसं 2080 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

जरूरी खबर

रेवंत रेड्डी ने ली तेलंगाना के सीएम पद की शपथ

हैदराबाद। कांग्रेस विधायक दल के नेता ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को यहां एक समारोह में तेलंगाना के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इस दौरान सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे सहित कांग्रेस के शीर्ष नेता मौजूद थे। राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन ने यहां एलबी स्टेडियम में रेवंत रेड्डी और मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। रेड्डी के अलावा, मल्लू बी. विक्रमार्क (उपमुख्यमंत्री) के साथ कुछ मंत्रियों ने शपथ ली।
-पेज 7 भी देखें

मिजोरम: आज लालदुहोमा लेंगे CM पद की शपथ

आइजोल। जोराम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के नेता लालदुहोमा शुक्रवार को मिजोरम के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। एक अधिकारी ने बताया कि लालदुहोमा के साथ उनकी मंत्रिपरिषद के अन्य सदस्य भी शपथ ग्रहण करेंगे। राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति सभी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। आइजोल में मौसम ठीक रहने पर शपथ ग्रहण समारोह राजभवन परिसर में आयोजित किया जाएगा। मौसम ठीक नहीं रहने की स्थिति में कार्यक्रम विधानसभा के एनेक्सी भवन में आयोजित किया जाएगा।

ये भी देखें...

क्या सरकार बदलते ही पाला बदलेंगी महापौर? पेज-3

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 96640 14179
+91 97830 45155
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

प्रदेश में फिर सीबीआई की एंट्री: कांग्रेस सरकार में रोक लगने के ढाई साल बाद प्रदेश में एजेंसी की पहली कार्रवाई

एमआईए का एजीई 1.10 लाख रुपए की घूस लेते गिरफ्तार

बेधड़क | जयपुर

करोड़ों रुपए के बिल पास करने और टेंडर को आगे बढ़ाने की एवज में 1.10 लाख रुपए की घूस लेते हुए सीबीआई ने कोटा में मिलिट्री इंजीनियर सर्विस (एमआईए) के असिस्टेंट गैरीसन इंजीनियर (एजीई) को गिरफ्तार कर नरेन्द्र कुमार रॉय से रिश्वत की राशि बरामद कर ली। राजस्थान में सरकार बदलने के बाद ही सीबीआई की ढाई साल बाद पहली कार्रवाई की है।

कांग्रेस सरकार ने जुलाई 2020 में सियासी संकट के दौरान फोन टैपिंग मामले समेत अन्य मामलों में सीबीआई के छापे पड़ने से गजट नोटिफिकेशन जारी करके कार्रवाइयों व जांच पर रोक लगा दी थी। तब से सीधे तौर पर सीबीआई कोई कार्रवाई नहीं कर सकती थी। तब से सीबीआई ने प्रदेश में कोई कार्रवाई नहीं की, क्योंकि कार्रवाई से पहले सीबीआई को सरकार से अनुमति लेने का प्रावधान बना दिया था।

कांग्रेस सरकार ने जुलाई 2020 में गजट नोटिफिकेशन जारी कर सीबीआई की कार्रवाइयों व जांच पर लगाई थी रोक

एक माह पहले हुई थी शिकायत

पड़ताल में सामने आया कि ठेकेदार विजेन्द्र जैन ने सीबीआई में एजीई नरेन्द्र कुमार के खिलाफ शिकायत की थी। आरोप था कि उनके एमआईए में कई टैंडर चल रहे है। टेंडरों की बकाया राशि 15 बिल पास करने के लिए 1.50 लाख रुपए और कुछ टेंडरों का एक्सटेंशन करने के एवज में 10 हजार रुपए की घूस मांग रहा है। शिकायत का सत्यापन करके सीबीआई जयपुर टीम ने आरोपी नरेन्द्र कुमार रॉय को कोटा में दबिश देकर नरेन्द्र कुमार को 1.10 हजार रुपए की घूस लेते गिरफ्तार कर लिया। सीबीआई ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे पूछताछ के लिए तीन के रिमांड पर भेज दिया।

सर्च में मिले संदिग्ध दस्तावेज

सीबीआई के अधिकारियों ने ट्रैप की कार्रवाई के बाद आरोपी नरेन्द्र कुमार के सरकार आवास व पुश्तैनी आवास पर सर्च किया। जहां पर सीबीआई टीम को प्रोपर्टी के दस्तावेज और कुछ मिलिट्री के संदिग्ध दस्तावेज मिले है। सीबीआई अब उन दस्तावेजों की भी जांच कर रही है।

राजस्थान में सीएम कौन होगा! सस्पेंस बरकरार

राज्य में पहली बार BJP को CM चुनने में लग रहा वक्त

बाबा बालकनाथ ने भी दिया सांसदी से इस्तीफा, अब रहेंगे विधायक

वसुंधरा राजे ने की जेपी नड्डा से मुलाकात

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर चला आ रहा सस्पेंस गुरुवार को भी बरकरार रहा। इसी बीच, बुधवार देर रात दिल्ली पहुंचीं पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने गुरुवार शाम बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात कर अपना पक्ष रखा। दिल्ली में नड्डा के आवास पर करीब डेढ़ घंटे उनकी बात हुई। बैठक में वसुंधरा राजे के साथ उनके पुत्र दुष्यंत सिंह भी मौजूद थे। हालांकि, इस बातचीत का ब्योरा सामने नहीं आया है। माना जा रहा है कि वसुंधरा राजे ने नड्डा के साथ बैठक में अपना पक्ष रखा है। माना जा रहा है कि

जिस तरह से राजे के आवास पर विधायकों से मुलाकातें चल रही थीं, उससे संभवतः आलाकमान पर दबाव बनाने की राजनीति का संदेश जा रहा था। दूसरी ओर, प्रदेश में यह पहला मौका है जब बीजेपी में सीएम के चयन में इतना वक्त लग रहा है। पूर्व में भैरोंसिंह शेखावत और राजे का सीएम पद के लिए नाम बिना वक्त लगे तय हुआ था। इधर, पार्टी प्रदेशाध्यक्ष सी पी जोशी का कहना है कि सीएम का चयन विधायक दल की बैठक में होगा। सूत्रों के अनुसार भाजपा आलाकमान राजस्थान में किसी नए चेहरे को मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी देकर सबको चौंका सकता है। सूत्र बताते हैं कि प्रदेश में गैर विधायक भी मुख्यमंत्री हो सकता है।

सीएम दावेदारों की रेस में ये चेहरे चर्चा में

अभी तक सीएम पद के लिए वसुंधरा राजे, दीया कुमारी, मंहत बालकनाथ, डॉ. किरोड़ी मीणा, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, अर्जुनराम मेघवाल और ओम माथुर मुख्य हैं। वहीं, दो उपमुख्यमंत्री के लिए भी 8 से ज्यादा नाम चर्चा में हैं। एक तर्क यह भी गले उतरता है कि मोदी-शाह इस सबसे अलग किसी नए नाम से चौंका सकते हैं।

किरोड़ी बोले... मैं सीएम की रेस में नहीं

विधायक किरोड़ी लाल मीणा ने दिल्ली में कहा कि मैं मुख्यमंत्री बनने की लाइन में नहीं हूं। सीएम पीएम मोदी और सेंट्रल लीडरशिप तय करेगी। राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है। ऐसे में वह व्यक्ति जो राजस्थान की बिगड़ी कानून व्यवस्था को दुरुस्त कर सके। प्रदेश में बढ़ते हुए भ्रष्टाचार और अपराध पर अंकुश लगा सके। किसानों और बेरोजगारों को संभाल सबको साथ लेकर चलने वाला व्यक्ति ही राजस्थान का अगला मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए।

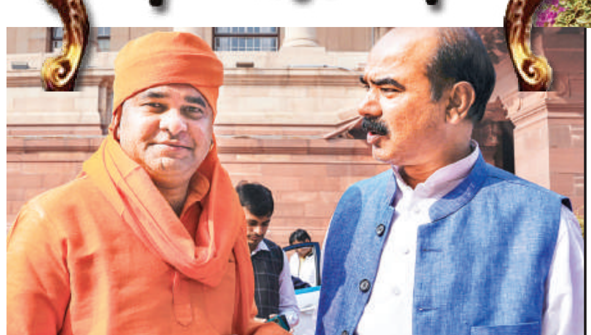

बालकनाथ ने पीएम से की मुलाकात

दूसरी ओर अलवर के तिजारा से विधायक निर्वाचित हुए मंहत बालकनाथ ने भी सांसद पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके बाद बालकनाथ ने पीएम मोदी से मुलाकात की। इससे पहले उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेता ओम माथुर से भी मुलाकात की। उधर, गुरुवार रात को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी भी दिल्ली रवाना हुए।

विधायक दल की बैठक के बाद फैसला: जोशी

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने गुरुवार को कहा कि मुख्यमंत्री को लेकर कोई भी फैसला पार्टी की विधायक दल की बैठक के बाद किया जाएगा। जोशी ने कहा कि विधायक अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में हैं और बैठक तय होते ही जयपुर आ जाएंगे। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, 'पर्यवेक्षकों की नियुक्ति के बाद विधायक दल की बैठक बुलाई जाएगी, जिसके बाद आगे प्रक्रिया पूरी होगी।' बहरहाल, राज्य की 200 में से 199 सीटों पर हुए चुनाव के परिणाम रविवार को आए थे। भाजपा को 115 सीटों के साथ बहुमत मिला था, लेकिन मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर संशय बरकरार है।

सुखदेव सिंह पंचतत्व में विलीन

गोगामेड़ी में तीन चचेरे भाइयों ने दी मुखाग्नि

@ गोगामेड़ी

- **आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें कई प्रदेशों में कर रही छापेमारी**
- **हत्या के बाद फरार हुए आरोपी संभवत: पहुंच गए हरियाणा**

बेधड़क | जयपुर

श्री राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी का शव गुरुवार को उनके पैतृक गांव गोगामेड़ी में पंचतत्व में विलीन हो गया। वहां गुरुवार को उन्हें तीन चचेरे भाइयों ने मुखाग्नि दी। उनका शव गुरुवार सुबह राजपूत सभा भवन में समाज के लोगों के अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। यहां से उनका शव शाम करीब 4 बजे गोगामेड़ी ले जाया गया। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर दर्शनों के लिए रखा गया। अंतिम संस्कार शाम करीब 5:30 बजे हनुमानगढ़ के गोगामेड़ी गांव में हुआ। इधर, हत्या के विरोध में अलवर और हनुमानगढ़ शहर गुरुवार को भी बंद रहे।

हत्या के बाद बस से फरार हुए थे आरोपी

हत्याकांड को लेकर पुलिस पड़ताल में सामने आया है कि हत्या के बाद आरोपी संभवत: बस से भागे थे। वे कुचामन गए, वहां से बस से डीडवाना पहुंचे। डीडवाना से किराए की कार लेकर सुजानगढ़ पहुंचे थे। पुलिस को उनके सुजानगढ़ से हरियाणा फरार होने की सूचना मिली है। प्रकरण में आरोपियों ने जिस युवक का मोबाइल यूज किया था, पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

पुलिस ने कई जगह दी दबिश

हत्यारों रोहित सिंह राठौड़ और नितिन फौजी की तलाश में पुलिस टीमें गुरुवार को प्रदेश के अलावा हरियाणा में विभिन्न जगहों पर दबिश दी। हत्यारों पर गुरुवार को 5 लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया है। इससे पहले गोगामेड़ी हत्याकांड में बुधवार रात 11 सूत्रीय मांगों पर सहमति बनी थी। जांच एनआईए को देने की अनुशंसा के बाद परिजन पोस्टमार्टम कराने के लिए तैयार हुए थे। इस मामले में श्याम नगर एसएचओ मनीष गुप्ता, बीट प्रभारी और बीट कांस्टेबल को सस्पेंड कर दिया गया था। इस मामले में गोगामेड़ी की पत्नी शीला शेखावत और घायल स्कूटी सवार (जिसकी स्कूटी हत्यारों ने छीनने की कोशिश की थी) ने दर्ज कराई है। हत्या को लेकर बुधवार को गोगामेड़ी की हत्या के विरोध में करणी सेना ने राजस्थान बंद का सफल आयोजन किया था।

कांग्रेस की हार पर समीक्षा कल, प्रदेश के नेता जाएंगे

जयपुर। तीन राज्यों में हार के बाद कांग्रेस आलाकमान ने सख्त रुख अपना रखा है। राजस्थान, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की हार के कारणों पर मंथन कर रहा है। सूत्रों के अनुसार एक दो दिन में इन राज्यों में मौजूदा प्रदेश कार्यकारिणी को भंग किया जाकर नई बनाई जा सकती है। कांग्रेस पार्टी ने गुरुवार को मप्र में हार की समीक्षा की, वहीं शुक्रवार को छत्तीसगढ़ में हार की समीक्षा करेगी। सूत्रों के मुताबिक्र राजस्थान संबंधी समीक्षा शनिवार को होगी। संभावना जताई जा रही है कि आलाकमान हार के कारणों की समीक्षा के दौरान राजस्थान के नेताओं से पूछ सकता है कि 156 सीटें पर जीत के दोवे के बाद ऐसे चुनाव नतीजे क्यों आए। वहीं, अपने लोगों को टिकट दिलाने वालों को भी कैफियत देनी होगी।

मौसम का मिजाज

प्रदेश में मौसम साफ होते ही गिरा पारा... सर्द हवाओं के साथ बढ़ेगी ठंड

- माउंट आबू में तापमान फिर रहा माइनस 1 डिग्री सेल्सियस
- 10 शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे, सर्दी बढ़ी
- फतेहपुर में हाड़ कंपाने लगी ठंड... न्यूनतम पारा 5.4 डिग्री

बेधड़क | जयपुर

पिछले दो सप्ताह से प्रदेश के विभिन्न इलाकों में छाए रहने वाले बादल अब छंट गए हैं। मौसम साफ होते ही सर्दी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। मौसम शुष्क होने के साथ ही लगातार सर्दी का असर बढ़ता जा रहा है। बढ़ी सर्दी के कारण जनजीवन प्रभावित होने लगा है। तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार इस सप्ताह मौसम शुष्क रहने के साथ सर्दी तेज होगी। दस दिसंबर तक राजस्थान में मौसम शुष्क रहेगा। हवा चलने के कारण तापमान में गिरावट आएगी। इसके असर से सर्दी बढ़ जाएगी।

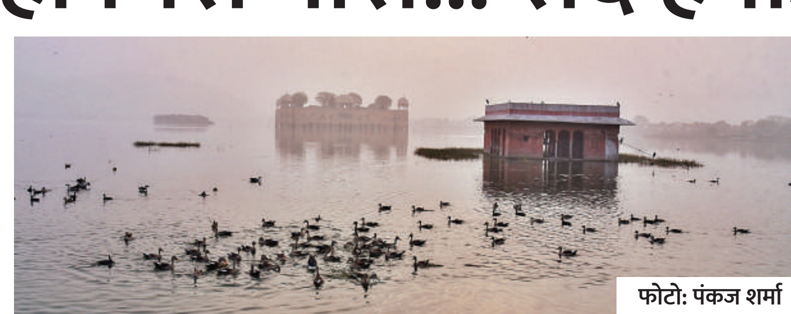

फोटो: पंकज शर्मा

न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे आया

राजधानी जयपुर में गुरुवार को न्यूनतम तापमान 11.8 रहा जो बुधवार के मुकाबले 1 डिग्री कम रहा। इसके अलावा प्रदेश के 10 से ज्यादा शहर ऐसे हैं, जहां न्यूनतम पारा 10 डिग्री से नीचे रहा। फतेहपुर 5.4, सीकर 6.9, संगरिया 7.3, चूरू 7.4, पिलानी 8.0, सिरोही 8.9, अलवर 9.6, बीकानेर 10.0, करौली 10.3 तथा श्रीगंगानगर में न्यूनतम पारा 10.8 रहा।

चक्रवाती तूफान का असर नहीं

बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान का राजस्थान में कोई असर नहीं होगा। इधर, प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान माउंट आबू में माइनस एक डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा 10 जगहों पर न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से कम दर्ज किया गया। वहीं, फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 5.4 डिग्री रहा।

अब आगे क्या?

प्रदेश में ज्यादातर जिलों में अलसुबह कोहरा छाया रहा, जो पिछले 2 सप्ताह से लगातार जारी है। कोहरे के कारण लोगों को वाहन चलाने में परेशानी हो रही है। सुबह-शाम सर्दी का असर तेज हो रहा है। कोहरे के चलते विजिबिलिटी कम होने के कारण सड़कों पर वाहनों की रफ्तार के साथ ही आम जनजीवन पर भी असर पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में प्रदेश में ठंडी हवाओं के चलने के आसार है। इसके अलावा हरियाणा व उसके आसपास के क्षेत्र पर एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है। दक्षिण-पूर्व राजस्थान में भी प्रेरित चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ था। वहीं 11 दिसंबर से एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ बन रहा है।

जरूरी खबर

कांग्रेस नेता सीताराम अग्रवाल ने दिया इस्तीफा

बेधड़क, जयपुर। कांग्रेस नेता सीताराम अग्रवाल ने गुरुवार को प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को पत्र लिखकर प्रदेश कोषाध्यक्ष पद से इस्तिफा दे दिया है। अग्रवाल ने पत्र में लिखा कि हाल ही में सम्पन्न हुए विधानसभा चुनाव ने प्रत्याशी के रूप में उनका प्रदर्शन आशा अनुरूप नही रहा, जिसकी नैतिक जिम्मेदारी मेरी है। इसलिए पद से इस्तिफा दे रहा हूं। उन्होंने कहा कि पार्टी की सेवा में लगातार तत्पर रहूंगा।

राज्यपाल ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस की दी बधाई

बेधड़क,जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र से गुरुवार को राजभवन में सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर (से.नि.) वीरेन्द्र सिंह राठौड़ ने मुलाकात कर सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर प्रतीक स्वरूप झंडा फहराया। इस दौरान राज्यपाल ने सैनिकों, पूर्व सैनिकों और परिजनों की सहायतार्थ अपनी ओर से अंशदान कर सहयोग की शुरुआत की। राज्यपाल मिश्र ने नागरिकों से भी आह्वान किया है कि सशस्त्र सेना झंडा कोष में यथासंभव सहयोग कर अपना योगदान दें। उन्होंने इस अवसर पर देश के बहादुर जवानों और उनके परिजनों का आभार प्रकट किया और शहीदों को नमन कर कृतज्ञता जताई।

आलोचना के बाद हो जाती है सच्चाई स्वीकार: शर्मा

बेधड़क. जयपुर। निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी लोकेश शर्मा ने कहा कि सच्चाई रखने पर पहले सवाल उठते हैं। उसकी आलोचना की जाती है, फिर अंत में उसे स्वीकार कर लिया जाता है। उनके समर्थकों ने भी कहा कि अच्छा लीड़र वहीं होता है जो हमेशा सच के रास्ते पर चले। सच को उजागर करने की हिम्मत रखें। शर्मा ने गुरुवार को सोशल मीडिया के जरिए अपने पूर्व में दिए बयानों पर अडिग रवैया दिखाया। उनके बयानों के बाद पूर्व मंत्रियों महेश जोशी, प्रतापसिंह खाचरियावास, सुभाष गर्ग सहित अन्य कांग्रेस नेताओं ने उनकी जमकर आलोचना की।

तीसरा मोर्चा बेअसर: BAP बनी सबसे बडी तीसरी पार्टी, BSP ने भी खोया जनाधार... नहीं चला RLP गठबंधन

दो राज्यों में सत्ताधारी 'आप' को मिले नोटा से भी कम वोट

बेधड़क | जयपुर

विधानसभा चुनाव के आए परिणाम से एक बार फिर ये तय हो गया कि प्रदेश की जनता के मन में अभी भी भाजपा और कांग्रेस ही है। आमजन ने चुनाव परिणामों में एक बार फिर तीसरे मोर्चे को नकार दिया।

हैरानी की बात तो ये है कि दो राज्यों में पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने वाली आम आदमी पार्टी को नोटा से भी कम वोट मिले हैं। आप को राजस्थान में 0.38 प्रतिशत वोट मिले, जबकि नोटा को 0.96 प्रतिशत वोट मिले। हालांकि आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कुछ समय पहले आप ने जयपुर में तिरंगा यात्रा निकाली थी। यात्रा में पंजाब के सीएम भगवंत मान शामिल हुए थे, लेकिन उनकी इस यात्रा का प्रदेश की जनता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। वहीं चुनाव प्रचार में भी आप पार्टी के प्रचारक प्रदेश से लगभग दूर ही रहे।

वहीं अन्य पाटियों का परिणाम भी ठीक नहीं रहा। तीसरे मार्चे के रूप में साथ आने की बात करने वाली पार्टियों के उम्मीदवार इस बार निर्दलीयों से ज्यादा सीटें भी नहीं ला सके। साल 2018 में 13 निर्दलीयों के मुकाबले अन्य पार्टियों के 14 प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की थी। वहीं इस बार 8 निर्दलीयों के मुकाबले तीसरे मोर्चे से जुड़े महज 7 उम्मीदवार जीते।

प्रदेश में एक बार फिर असफल रहा तीसरा मोर्चा

तीन पहीने पहले बनी पार्टी ने दिखाया दम

विधानसभा चुनाव से महज तीन महीने पहले बनी बीएपी चुनावों में सबसे बड़ी थर्ड पार्टी बनकर उभरी। बाप ने सबसे ज्यादा तीन सीटें जीतकर आप, आरएलपी और बसपा को पीछे छोड़ दिया। बाप पार्टी के अध्यक्ष राजकुमार रोत ने सबसे बड़ी 70 हजार वोटों से जीत दर्ज की।

आरएलपी ने खोई तीन सीटें

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) ने इस बार गेमचेंजर बनने के लिए आरएलपी ने 81 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे थे। वहीं एसटी, एससी वोट बैंक को साधने के लिए बेनीवाल ने भीम सेना के चंद्रशेखर आजाद की पार्टी आजाद समाज पार्टी से भी गठबंधन भी किया था, लेकिन उनका से दावं उल्टा पड़ गया। पिछले चुनाव में रालोपा के 57 प्रत्याशी में से चार ने जीत दर्ज की थी। वहीं इस बार उनका एकमात्र उम्मीदवार ही जीत दर्ज कर सका। वो जीत भी रालोपा प्रमुख हनुमान बेनीवाल के ही नाम रही। पार्टी के लिए ये चुनाव इतने खराब रहे कि खुद बेनीवाल भी खींवसर विधानसभा सीट पर महज 2 हजार 59 वोटों से जीत हासिल कर सके।

बहुजन समाज पार्टी का परिणाम भी निराशाजनक

बहुजन समाज पार्टी के पिछले विधानसभा चुनाव में 6 उम्मीदवार जीते थे। इस बार पार्टी ने 155 प्रत्याशी उतारे थे, लेकिन इस बार पार्टी महज दो सीट पर जीत दर्ज कर सकी। दो सीटों के अलावा बसपा के प्रत्याशी किसी भी सीट पर दूसरे पायदान पर भी नहीं आ सके।

राष्ट्रीय लोक दल पार्टी एक सीट पर लड़ी और जीत गई

राजस्थान के विधानसभा चुनाव में इस बार राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) ने प्रदेश में सिर्फ एक सीट भरतपुर से चुनाव लड़ा था। गठबंधन में कांग्रेस ने यह सीट आरएलडी के लिए छोड़ते हुए यहां अपना कोई प्रत्याशी नहीं उतारा। आएलडी ने यहां से जीत दर्ज की।

हथियारों की तस्करी पर भी पुलिस की कार्यशैली पर उठ रहे सवाल

गोगामेड़ी हत्याकांड में काम लिए प्रतिबंधित हथियार और कारतूस

- अवैध हथियारों से पांच साल में 252 हत्या और 2118 हमले
- पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियानों का नहीं दिख रहा असर

ओम प्रकाश शर्मा | बेधड़क

जयपुर। राजस्थान में गैंगवार की घटनाएं बढ़ रही है। गैंगवार में अवैध हथियारों का उपयोग किया जा रहा है, लेकिन पुलिस की ओर से हथियार तस्करी रोकथाम को लेकर चलाया जा रहे अभियान फुस्स होते दिख रहे हैं।

प्रदेश में पिछले पांच साल में बदमाशों ने अवैध हथियारों से 252 लोगों की हत्या कर दी और 2118 हमले कर किए। इसके बाद भी पुलिस कार्रवाई व बदमाशों की धरपकड़ के नाम पर खानापूर्ति कर रही है। पुलिस के आंकड़ों की माने तो वर्ष 2021 में पुलिस ने 2200 अवैध पिस्टल, रिवाल्वर, देशी कट्टा, बंदूक व पोना बदमाशों से बरामद किए हैं। जबकि वर्ष 2022 में 2700 और वर्ष 2023 में अब तक करीब 3200 हथियार पुलिस बरामद कर चुकी है। वहीं तीन साल में 13 हजार से ज्यादा कारतूस बरामद किए हैं। इनमें 9 एमएम के प्रतिबंधित कारतूस भी शामिल हैं। इन कारतूसों का उपयोग केवल सेना और पुलिस ही कर सकती है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर बदमाशों को 9 एमएम के कारतूस कौन उपलब्ध करा रहा है। पुलिस की कार्रवाई के बाद भी प्रदेश में हथियारों की तस्करी नहीं रुक रही है।

तीन राज्यों से प्रदेश में हथियार सप्लाई

प्रदेश में हरियाणा, मध्यप्रदेश व उत्तरप्रदेश की गैंग पूर्वी राजस्थान के जिलों में सप्लाई करती है। यहां से फिर प्रदेश के सभी जिलों में बदमाशों के पास हथियारों की सप्लाई हो रही है। मध्यप्रदेश के धार, खरगोन, बुरहानुपुर, दमोह, बड़वानी व खंडवा की गैंग अवैध हथियार सप्लाई करती है। वहीं हरियाणा की नूह, मेवात, फिरोजपुर, झिरका की गैंग और उत्तरप्रदेश की मेरठ, सहारनपुर, आगरा, कानपूर, अलीगढ़ व मथुरा की गैंग पूर्वी राजस्थान के बदमाशों को हथियार सप्लाई करती है।

प्रदेश में मौत व हमलों की स्थिति

वर्ष	मौत	हमले
2019	42	343
2020	49	389
2021	51	426
2022	57	467
2023	53	493

दो साल में हथियारों की बरामदगी

रेंज	हथियार	कारतूस
अजमेर रेंज	273	761
जयपुर कमिश्नरेट	279	893
जयपुर रेंज	872	1386
बीकानेर रेंज	626	1433
भरतपुर रेंज	1182	1860
जोधपुर कमिश्नरेट	173	278
जोधपुर रेंज	305	745
कोटा रेंज	497	496
उदयपुर	394	288

विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम

छह जनवरी को होगा मतदाता सूचियों का प्रारूप प्रकाशन

बेधड़क | जयपुर

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने कहा है कि प्रदेश की 199 विधानसभा क्षेत्रों की फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम चलाया जाएगा। संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारियों द्वारा एकीकृत मतदाता सूचियों के प्रारूप का प्रकाशन 6 जनवरी को किया जाएगा। दावे एवं आपत्तियां 6 जनवरी से 22 जनवरी तक प्राप्त किए जाएंगे। 2 फरवरी तक दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा एवं मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन 8 फरवरी 2024 को किया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी गुप्ता ने गुरुवार को राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ सचिवालय में बैठक कर उन्हें मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दे रहे थे। गुप्ता ने बताया कि 1 जनवरी 2024 के दौरान मतदाता पंजीकृत होने के उपरांत, किसी भाग में 1500 से अधिक मतदाता पंजीकृत ना हो, इस स्थिति को मद्देनजर रखते हुए मतदान केन्द्रो के पुनर्गठन, सहायक मतदान केन्द्रों के प्रस्ताव संबंधित जिलों से प्राप्त कर कार्रवाई की जाएगी। वर्तमान में निर्वाचन आयोग द्वारा 51,756 मतदान केन्द्र अधिसूचित है और विधानसभा आम चुनाव 2023 के लिए 383 सहायक मतदान केन्द्र आयोग द्वारा अनुमोदित किए गए थे।

गुप्ता ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता 1 जनवरी 2024 के संदर्भ में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम में पुनरीक्षण पूर्व गतिविधियों के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को विविध कार्य सम्पादित किए जाने के लिए निर्देशित किया गया है। उन्होंने बताया कि 20 दिसंबर से 5 जनवरी तक पुनरीक्षण पूर्व गतिविधियां संचालित की जाएगी जिसमें मतदान केन्द्रों का सुव्यवस्थिकरण एवं पुनर्गठन, मतदाता सूचियों एवं ईपीआईसी की विसंगतियो को दूर करना तथा मतदाता सूची में मतदाताओं की इमेज क्वालिटी में सुधार करना शामिल है।

चेक अनादरण मामले में निचली अदालत ने सुनाया था फैसला

पूर्व MLA सोलंकी की सजा पर रोक

बेधड़क | जयपुर

अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-1 बहरोड़ ने चाकसू के पूर्व विधायक वेद प्रकाश सोलंकी को चेक अनादरण के मामले में निचली अदालत की ओर से मिली एक साल की सजा को अपील के निस्तारण तक सशर्त स्थगित कर दिया है।

अदालत ने यह आदेश सोलंकी की अपील पर दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि अपीलार्थी दो माह में हर्जाना राशि की 20 फीसदी यानि 11 लाख रुपए की राशि जमा कराए। यदि इस अवधि में राशि जमा नहीं होती है, तो सजा स्थगित करने का यह आदेश स्वतः ही रद्द हो जाएगा और निचली अदालत प्रकरण में कार्रवाई के लिए स्वतंत्र होगी। मामले के अनुसार निचली अदालत ने गत 28 नवंबर को चैक अनादरण के मामले में वेद प्रकाश सोलंकी को एक साल की सजा और 55 लाख रुपए का जुर्माना की सजा दी थी। इस आदेश को सोलंकी की ओर से चुनौती दी गई है। मामले के अनुसार मोहर सिंह यादव ने निचली अदालत में परिवाद पेश किया था।

इसमें आरोप लगाया गया था कि उसने वर्ष 2015 में वेद प्रकाश सोलंकी को जमीन के पेटे 35 लाख रुपए का भुगतान किया था, लेकिन सोलंकी ने न तो उसे प्लॉट दिया और ना ही रकम वापस लौटाई। परिवादी की ओर से बार-बार रुपए मांगने पर सोलंकी ने परिवादी को चेक दे दिया, लेकिन परिवादी ने जब चेक को भुगतान के लिए बैंक में पेश किया, तो वह बाउंस हो गया। इस पर परिवादी ने अदालत में रुपए दिलाने की गुहार की थी।

पुलिस ने शुरू की जांच, आरोपियों को जल्द पकड़ने का दावा

विधायक हरीश चौधरी को हत्या की धमकी

बेधड़क | जयपुर

बायतु से कांग्रेस विधायक और वरिष्ठ नेता हरीश चौधरी को जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। हालांकि इस बारे में चौधरी ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि धमकी देने वाला कौन है और उसके ऐसा करने की क्या वजह है।

वहीं बालोतरा पुलिस अधीक्षक हरिशंकर का कहना है कि मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपी युवक को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। दरअसल गुरुवार को हरीश चौधरी को जान से मारने की धमकी से भरा एक ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। इस वायरल ऑडियो में एक युवक बोल रहा है 'उम्मेद जी जैसा नेता बाड़मेर जिले में ढूंढने पर भी नहीं मिलेगा। हरीश जी को वहां पर आकर मार दूं, लेकिन मुझे जेल में डाल देंगे। ऑडियो में आगे युवक बोलता है कि मेरे को पिस्टल लाकर दे दो, मैं अगर गोली नहीं मारूं तो तेरे टांग के नीचे से निकल जाऊंगा। एक बाप का बेटे हूं।

पहले से मिली हुई है वाई श्रेणी सुरक्षा

वायरल ऑडियो हरीश चौधरी के संज्ञान में आने पर उन्होंने बालोतरा के पुलिस अधीक्षक को इसकी सूचना दी। हालांकि हरीश चौधरी को जान से खतरा होने के चलते पहले से वाई श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है। बायतु विधायक हरीश चौधरी ने कहा कि ऑडियो संज्ञान में आया है। ऑडियो में धमकी देने वाला कौन है और उसने किस उद्देश्य से यह कहा है। इसके बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है। चौधरी ने कहा कि ऑडियो सामने आने के बाद बालोतरा पुलिस अधीक्षक को सूचित कर दिया है। वहीं बालोतरा के पुलिस अधीक्षक

हरिशंकर ने कहा कि ऑडियों को लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। जल्द ही आरोपी का पता लगाकर गिरफ्तार किया जाएगा।

मुख्य सूचना आयुक्त ने रखा आयोग का लेखा-जोखा

तीन वर्षों में 49 हजार प्रकरणों का निस्तारण, हुए कई नवाचार: गुप्ता

बेधड़क | जयपुर

राज्य सूचना आयोग के मुख्य सूचना आयुक्त डी.बी. गुप्ता ने कहा कि पूर्व में 2007 से 56 हजार 484 प्रकरण लंबित थे, जिन्हें आयोग द्वारा प्राथमिकता से लेते हुए गत तीन वर्षों में 48 हजार 749 प्रकरणों का ऐतिहासिक निस्तारण किया जा चुका है। साथ ही वर्तमान में 2022 तक कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है। गुप्ता ने बताया कि कोविड़ की कठिन परिस्थितियों में भी लगभग एक हजार 500 प्रकरणों का निस्तारण प्रतिमाह किया गया है। मुख्य सूचना आयुक्त गुप्ता गुरुवार को राज्य सूचना आयोग का लेखा-जोखा प्रस्तुत कर रहे थे।

इस अवसर पर उन्होंने बताया कि लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण एवं आरटीआई लगाने में सुलभता के लिए कई नवाचार किए गए हैं। जिनमें से विशिष्ट अदालतें, स्पीड पोस्ट, ऑनलाइन आवेदन, ऑनलाइन सुनवाई साथ ही न्यायालयों की कमी को देखते हुए दो न्यायालय कक्षों का निर्माण भी करवाया गया है।

गुप्ता ने बताया कि विभागों और संभागों में लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के लिए सितंबर 2021 से राजकीय अवकाश के दिन विशिष्ट अदालतें आयोजित की गईं। जिनमें अब तक 15 विशिष्ट अदालतों के माध्यम से 4 हजार 154 प्रकरणों का निस्तारण किया गया है। इन विशिष्ट अदालतों का आयोजन संभाग में ही जाकर किया गया जिससे वहां लंबित प्रकरणों का शीघ्र निपटाया जा सके।

स्पीड पोस्ट से भेज रहे नोटिस एवं निर्णय

मुख्य सूचना आयुक्त ने बताया कि अपीलों की सुनवाई के नोटिस, दस्तावेज और निर्णय फरवरी 2022 से स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेजने का नवाचार किया गया है। जिसके कारण अब परिवादी को नोटिस समय पर नहीं मिलने की शिकायत समाप्त हो गई है।

द्वितीय अपील का आवेदन ऑनलाइन

गुप्ता ने बताया कि पहले अपीलार्थी जो दूरदराज क्षेत्र में रहते है उन्हें कार्यालय आने में परेशानी का सामना करना पड़ता था। साथ ही समय एवं पैसा भी खर्च होता था लेकिन 2 अप्रैल 2022 से द्वितीय अपील दायर करने की व्यवस्था ऑनलाइन कर दी गई है। इससे उनका पंजीयन, सुनवाई तिथि का नोटिस और अंतिम निर्णय तक समस्त कार्रवाई ऑनलाइन की जा रही है।

ऑनलाइन सुनवाई का विकल्प

गुप्ता ने बताया कि तीन न्यायालयों में ऑनलाइन सुनवाई की सुविधा पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू कर दी गई है। जिसके तहत परिवादी अपनी सुनवाई के लिए हाइब्रिड मोड यानी व्यक्तिगत रूप से सुनवाई अथवा ऑनलाइन सुनवाई में से किसी एक विकल्प को चुन सकता है। गुप्ता ने आयोग में सूचना आयुक्त के पदों की जानकारी देते हुए बताया कि उनके कार्यकाल में एक सूचना आयुक्त का पद जोधपुर में भी सृजित किया गया। इस अवसर पर सूचना आयोग के सदस्य एम.एल लाठर, शीतल धनकड़ सहित आयोग के सभी अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

जरूरी खबर

नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस मनाया

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल पर नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर नागरिक सुरक्षा संगठन उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल गणपति नगर रेलवे कॉलोनी स्थित अरावली क्लब में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक जयपुर विकास पुरवार ने ध्वजारोहण करके किया। इस समारोह में अपर मंडल रेल प्रबंधक ऑपरेशन संजीव दीक्षित अपर मंडल रेल प्रबंधक इंफ्रा मनीष कुमार गोयल मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर नीलिमा सिन्हा सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। समारोह में वरिष्ठ मंडल नागरिक सुरक्षा अधिकारी संतोष कुमार विजय के नेतृत्व में आग रेस्क्यू का प्रदर्शन किया गया।

रेडियोलॉजी पर कॉन्फ्रेंस कल, 500 डॉक्टर्स आएंगे

जयपुर। राजस्थान स्टेट चैप्टर ऑफ आईआरआईए की ओर से 9 और 10 दिसंबर को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, झालाना में एनुअल कॉन्फ्रेंस होगी। कॉन्फ्रेंस ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन डॉ. जीवराज सिंह राठौड़, डॉ. मीनू बगरहट्टा, डॉ. परेश सुखानी एवं ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. नवनीत गुप्ता ने बताया कि कॉन्फ्रेंस में देश-प्रदेश के 500 रेडियोलॉजिस्ट डॉक्टर्स भाग लेंगे। राज्यपाल कलराज मिश्र और आरयूएचएस कुलपति डॉ. सुधीर भंडारी को कॉन्फ्रेंस के बारे में जानकारी दी गई है। कॉन्फ्रेंस में रेडियोलॉजी की नई तकनीक की जानकारी दी जाएगी। कॉन्फ्रेंस में मुख्य अतिथि डॉ. राजीव बगरहट्टा प्रिंसिपल एसएमएस मेडिकल कॉलेज होंगे तथा अध्यक्षता डॉ. नईमा मन्नान, साइंटिफिक चेयरमैन डॉ. आरपी बंसल, अनु भंडारी, डॉ. मदनमोहन गुप्ता एवं ट्रेजरर डॉ प्रवीण सिंघल करेंगे।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए ख़बर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

रोड खास, हालात आम : संकेतक बोर्ड लगे हैं, पर किस ओर जाना है पता नहीं...

जयपुर। संकेतक बोर्ड लगे हैं, लेकिन किस ओर जाना है वो इशारा देने वाले निशान टूट चुके हैं। ऐसे में बाहर से आने वाले अनजान लोगों को रास्ते को लेकर खासी परेशानी उठानी पड़ रही है। यह हालत शहर के सबसे व्यस्तम जवाहरलाल नेहरू मार्ग की है। गौरतलब है कि यह रोड सभी सुविधाओं से युक्त है और सौंदर्यकरण के कारण प्रदेश में सबसे वीवीआईपी रोड मानी जाती है। इस रोड पर जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा लगाए गए अधिकतर 'स्थान संकेत बोर्ड' क्षतिग्रस्त पड़े हैं। टूटकर गिर चुके हैं। **फोटो-राजेश कुमावत**

मुनेश गुर्जर के भाजपा में जाने की अटकलें

क्या सरकार बदलते ही पाला बदलेंगी हेरिटेज की महापौर!

बेधड़क | जयपुर

हेरिटेज नगर निगम में मुनेश गुर्जर ने महापौर की कुर्सी तीसरी बार संभाल ली है। उनके पदभार समारोह में भाजपा पार्षदों की उपस्थिति ने नई चर्चा शुरू कर दी है। दरअसल पदभार ग्रहण कार्यक्रम में कांग्रेस के गिने-चुने पार्षद ही शामिल हुए, जबकि भाजपा की ओर से 10 के करीब पार्षद आए। आए हुए पार्षदों का कहना है कि उन्हें महापौर की ओर से कार्यक्रम में शामिल होने के लिए फोन आया था। वहीं, महापौर ने भी भाजपा पार्षदों के प्रति सोफ्ट कॉर्नर दिखाया है, इससे उनके भाजपा में जाने की अटकलें तेज हो गई हैं। इन अटकलों के बीच मुनेश गुर्जर ने इन्हें कोरी अफवाह बताते हुए कहा कि ये तो आने वाला समय बताएगा।

आसान नहीं होगी महापौर की राह

हालांकि, कुछ पार्षदों का कहना है कि भाजपा में महापौर का जाना आसान नहीं है। क्योंकि, भाजपा के पार्षद लगातार महापौर को घेरते रहे हैं। समय पर बोर्ड बैठक न कराने और भाजपा पार्षदों के वार्डों में विकास कार्यों के सौतेले व्यवहार को लेकर कई बार महापौर को घेरा भी है। वहीं, वे पार्षद जो भाजपा से महापौर पद के दावेदार हैं, वे मुनेश गुर्जर को कैसे स्वीकार करेंगे?

भाजपा में आने पर आगे की राह होगी आसान

दरअसल महापौर और उनके पति पर अभी भी एसीबी ने मामला बना रखा है। ऐसे में मुनेश गुर्जर चाहेंगी कि वे सत्ताधारी पार्टी के साथ जाकर अपने को सुरक्षित करें। वहीं, महापौर के कार्यक्रम में कांग्रेस के चुनिंदा पार्षद ही दिखे। करीब 36 पार्षदों ने अब तक दूरी बनाए रखी है। वहीं, तीन वर्ष के कार्यकाल में महापौर ने पहली बार भाजपा पार्षदों को भी न्योता दिया। कुछ बधाई देने भी पहुंचे। विधानसभा चुनाव के बाद सिविल लाइन्स और हवामहल से भाजपा के विधायक हैं। वे खुद सिविल लाइन्स विधानसभा क्षेत्र से आती हैं। ऐसे में आगे निगम संचालन के लिए उन्हें विधायकों की आवश्यकता पड़ेगी।

विकास को देंगे गति

"मेरे भाजपा और कांग्रेस के पार्षदों से अच्छे संबंध है। हमारा मुख्य उद्देश्य निगम क्षेत्र का विकास करना है। पार्टी बदलने की बात अफवाह मात्र है।

मुनेश गुर्जर, महापौर

विकास के लिए हम महापौर के साथ

"महापौर का फोन आया था। तीन वर्ष में पहली बार फोन किया। महापौर तो काम करना चाहती हैं, लेकिन उनके विधायक काम नहीं करने दे रहे थे। अब दो विधायक कम हुए हैं तो उनको उम्मीद दिख रही है। यदि वे हेरिटेज निगम सीमा क्षेत्र में विकास कराना चाहती हैं, तो हम उनके साथ हैं।

महेश कलवानी, पार्षद भाजपा

अभी ये है सदन की स्थिति

कांग्रेस - 47	निर्दलीय साथ - 09	कुल - 56
भाजपा - 42	निर्दलीय साथ-02	कुल-44

- कांग्रेस के नीरज अग्रवाल चुनावों के बीच भाजपा का दामन थाम चुके हैं।

पूर्व मंत्री से अनबन के चलते दूर रहीं प्रचार से

राज्य में भाजपा की सरकार बनने के साथ-साथ हवामहल और सिविल लाइन्स विधानसभा क्षेत्र से भाजपा की जीत हुई। महापौर मुनेश और पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के बीच सियासी अनबन किसी से छिपी नहीं है। यही वजह रही कि मुनेश गुर्जर और उनके पति सुशील गुर्जर ने भाजपा के पक्ष में प्रचार किया। वहीं, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह ने भी इशारों में अपनी हार का ठीकरा मुनेश पर फोड़ दिया है।

जेडीए ने की कार्रवाई

अवैध कॉलोनी और दो फैक्ट्री गोदाम तोड़े

बेधड़क | जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए निजी खातेदारी की करीब तीन बीघा कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनी और ग्राम कोकाबास में व्यावसायिक प्रयोजनार्थ निर्माणाधीन दो अवैध फैक्ट्री गोदाम को ध्वस्त किया। प्रवर्तन प्रकोष्ठ ने बताया कि गुरुवार को जोन-14 के लाखना रोड पर करीब तीन बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के और बिना भू रूपान्तरण कराए भूमि को समतल कर मंगल विहार के नाम से अवैध कॉलोनी बसाने पर प्रवर्तन दस्ते ने जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर दिया। वहीं, जोन 14 के ग्राम कोकाबास में करीब 500 वर्गगज निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण कराए भूमि को समतल कर व्यावसायिक प्रयोजनार्थ निर्माणाधीन फैक्ट्री गोदाम के लिए बन रहे निर्माण को भी जोन-14 के राजस्व और तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते ने जेसीबी मशीन और मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर दिया। वहीं, जोन-14 के ही दूसरी करीब 350 वर्गगज निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण कराए भूमि को समतल कर व्यावसायिक प्रयोजनार्थ निर्माणाधीन फैक्ट्री गोदाम को भी ध्वस्त कर दिया।

शादी में मेहमान बनकर आए चोर रुपए-गहनों का बैग चुरा ले गए

बेधड़क | जयपुर

राजधानी मैरिज गार्डन में लाखों रुपए की चोरी का मामला सामने आया है। मेहमान बनकर आए दो बदमाश नजर बचाकर बैग चुरा ले गए। मैरिज गार्डन में लगे सीसीटीवी फुटेज में दोनों बदमाशों की करतूत कैद हो गई। हरमाड़ा थाना पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश कर रही है। थानाधिकारी हरमाड़ा हिम्मत सिंह ने बताया कि चौमूं की इंदू देवी सोनी ने मामला दर्ज कराया कि उनके

बेटे राहुल सोनी के विवाह का कार्यक्रम मिराकल मैरिज गार्डन में था। स्टेज पर फोटो सेशन के दौरान इंदू देवी ने बैग कुर्सी पर रख दिया। कुछ देर बाद देखा तो बैग गायब मिला। सीसीटीवी फुटेज खंगालने तो चोरों की करतूत पकड़ में आ गई।

पिंकसिटी में गुलाबी सर्दी की दस्तक के साथ ही निगम ने उठाया कदम

गरीबों के लिए खोल दिए दस और आश्रय स्थल

बेधड़क | जयपुर

गुलाबी सर्दी की दस्तक के साथ ही गुलाबी नगरी में अस्थाई रैन बसेरे की शुरुआत कर दी गई है। ग्रेटर निगम आयुक्त बाबूलाल गोयल ने बताया कि क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों को आश्रय प्रदान करने और सर्दी से बचाव के लिए आश्रय स्थल का संचालन शुरू कर दिया गया है। शहर भर में 10 अस्थाई रैन बसेरे बनाए गए हैं, जिनकी क्षमता लगभग 900 लोगों की है। आश्रय स्थल में विश्राम करने वालों के लिए रजाई-गद्दे, ज्यादा सर्दी होने पर अलाव के लिए लकड़ियां, प्राथमिक उपचार और पीने के पानी की व्यवस्था की गई है। साथ ही रात्रि भोजन प्रबन्ध मोती डूंगरी गणेश मंदिर ट्रस्ट की ओर से किया जा रहा है।

14 स्थानों पर स्थाई व्यवस्था भी

शहर में 14 स्थानों लाल कोठी महिला छात्रावास के पास, बांगड़ अस्पताल, सांगानेर स्टेडियम रोड, मध्य मार्ग थड़ी मार्केट, झालाना बाइपास, जगतपुरा रेलवे स्टेशन, शहीद भगत सिंह पार्क, मुख्य रेलवे स्टेशन के पास, पानीपेच तिराहा, पुराना विद्याधर नगर जोन कार्यालय, हटवाड़ा वृद्ध आश्रम, गोविंद देव जी मंदिर के पास, और भांकरोटा में स्थाई आश्रय स्थल बने हुए हैं।

यहां-यहां शुरू हुए रैन बसेरे

- राम निवास बाग के पीछे - क्षमता 150 लोग
- जेके लोन अस्पताल गेट के पास - क्षमता 100 लोग
- जेके लोन अस्पताल के पास केयररवेल के सामने - क्षमता 100 लोग
- गांधी नगर रेलवे स्टेशन के सामने -क्षमता 50 लोग
- मालवीय नगर में जीटी पुलिया के नीचे - क्षमता 50 लोग
- सांगानेर पुलिया के नीचे - क्षमता 100 लोग
- महारानी फार्म पुलिया के नीचे - क्षमता 100 लोग
- गोपालपुरा पुलिया (त्रिवेणी नगर) के नीचे - क्षमता 100 लोग
- विद्याधर नगर सेक्टर 6 एचपी पेट्रोल पम्प के पास - क्षमता 50 लोग
- 200 फीट बाइपास दिल्ली-अजमेर रोड पर - क्षमता 100 लोग

ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने बैठक में दिए निर्देश

जोन उपायुक्त रोज फोटो भेजकर बताएंगे कि कहां-कहां सफाई हुई

बेधड़क | जयपुर

पिछले एक महीने से प्रदेश में चुनाव के चलते शहर में ठप पडी सफाई व्यवस्था को लेकर ग्रेटर निगम अब गंभीरता बरतने जा रहा है। लगातार शिकायतों के बीच गुरुवार को ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने सफाई व्यवस्था के संबंध में सभी जोन उपायुक्तों, समिति अध्यक्षों एवं संबंधित अधिकारियों की मैराथन बैठक ली।

इस दौरान महापौर और आयुक्त बाबूलाल गोयल ने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था, स्वच्छ सर्वेक्षण-2024, व्यवस्था, आवारा पशुओं, पेड़ों की कटाई-छटाई, सतत मॉनिटरिंग, स्वच्छता प्रहरी, नगर निगम ग्रेटर के हूपर्स पर हेल्पलाइन नंबर लिखने संबंधी

विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में महापौर ने कहा कि हर सप्ताह सफाई के संबंध में समीक्षा बैठक ली जाएगी। वहीं, सभी जोन उपायुक्त सुबह 7 से 9 बजे तक सफाई व्यवस्था का जायजा लेंगे और व्हाटसएप ग्रुप पर फोटो भेजेंगे।

सराहनीय कार्य करने पर होंगे सम्मानित

महापौर ने नवाचार अपनाते हुए कहा कि सफाई व्यवस्था में सराहनीय योगदान देने पर संबंधित व्यक्ति को स्वच्छता हीरो के रूप में भी सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही महापौर ने निर्देश दिए कि हर 15 दिन में स्थानीय निवासियों से सफाई व्यवस्था के संबंध में फीडबैक लिया जाएगा।

अधिकारी जहां भी जाएंगे, ग्रुप में लोकेशन और फोटो भी अपडेट करेंगे

महापौर ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्वच्छता नगर निगम का प्राथमिक कार्य है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच के अनुरूप स्वच्छता को मिशन बनाकर सफाई व्यवस्था को सुदृढ किया जाना चाहिए। महापौर ने सभी जोन उपायुक्तों को निर्देश दिए कि सुबह 7 बजे से 9 बजे तक फील्ड में रहकर सफाई व्यवस्था का जायजा लें और व्हाटसएप ग्रुप पर जीओ टेगिंग के साथ सफाई लोकेशन की फोटो भी भेजें। जिन खाली भूखंडों में कचरा डाला जा रहा है, उन्हें चिन्हित कर भूखंड मालिकों से कहें कि चारदीवारी बनाकर उस भूखंड की सफाई कराएं अन्यथा निगम उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में टॉप पांच में आना रहेगा लक्ष्य

महापौर सौम्या गुर्जर ने बताया कि सतत मॉनिटरिंग से ही सफाई व्यवस्था में सुधार आ पाएगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम ग्रेटर के सभी हूपर्स पर आमजन के लिए हेल्पलाइन नंबर भी लिखे जाने चाहिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने स्वच्छता प्रहरी की कार्यवाहियों की भी समीक्षा की साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वच्छता प्रहरी निष्पक्ष रूप से कार्य करें। महापौर ने स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के तैयारियों के संबंध में कहा कि सभी को प्रयास किया जाना चाहिए कि स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में नगर निगम ग्रेटर टॉप-5 सिटी में आएं। इसके लिए सभी बिन्दुओं को ध्यान में रखकर तैयारी की जानी चाहिए।

आवारा पशुओं को हटाने के लिए चलेगा अभियान

इस अवसर पर नगर निगम ग्रेटर आयुक्त बाबूलाल गोयल ने बताया कि सड़कों पर आवारा पशुओं को हटाया जाना चाहिए। इसके लिए अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जयपुर शहर स्वच्छ हो यह हम सभी की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सफाई व्यवस्था के संबंध में विशेष अभियान चलाया जाए, इसके लिये यदि संसाधनों की आवश्यकता है तो वो भी उपलब्ध होंगे। इस अवसर पर स्वच्छता समिति अध्यक्ष अभय पुरोहित, रामस्वरूप मीणा, रामकिशोर प्रजापत, उद्यान समिति अध्यक्ष राखी राठौड़, गैराज समिति अध्यक्ष विनोद चैधरी, वित्तीय सलाहकार हरीसिंह मीणा, सभी जोन उपायुक्त और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जरूरी खबर

रबी की फसल के लिए आज तय होगा पानी का वितरण

बीकानेर। इंदिरा गांधी नहर में अगली फसल के लिए जल वितरण का कार्यक्रम शुक्रवार को तय हो जाएगा। इसके लिए नहर विभाग के आला अधिकारियों की बैठक हनुमानगढ़ में होगी। बैठक के बाद रबी की फसल के लिए पानी की सीमा तय हो जाएगी। इंदिरा गांधी नहर परियोजना के प्रथम चरण में जल वितरण के लिए गठित परामर्शदात्री समिति की बैठक दोपहर 12 बजे मुख्य अभियंता, जल संसाधन, उत्तर की अध्यक्षता में सिंचाई सभागार हनुमानगढ़ में होगी। बैठक में नहरों में पानी चलाने के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम की समीक्षा की जाएगी।

अभिभाषक परिषद के चुनाव को लेकर मतदान आज

कोटा। अभिभाषक परिषद कोटा के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव सहित अन्य पदों के लिए के शुक्रवार को परिषद सभागार में वोटिंग होगी। वकीलों द्वारा शपथ पत्र जमा कराने के बाद मतदाता सूची जारी कर दी गई है। इस बार 1782 सदस्य अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें करीब 340 महिला मतदाता भी शामिल हैं। वोटिंग सुबह 10 से शाम 5 बजे तक होगी। चुनाव के तहत मतदान दिवस व अगले दिन काउंटिंग के कारण अदालत में दो दिन कार्य स्थगित रखा गया है।

पिकअप ने बाइक सवार को कुचला, मौके पर हुई मौत

उदयपुर। सलूम्बर के लसाड़िया थाना क्षेत्र में बुधवार रात पिअकप की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई। हादसा रेलवाड़ा कुड़ी स्थित बांसी मुख्य रोड पर हुआ। पीछे से तेज गति से आ रही पिकअप ने बाइक सवार को चपेट में ले लिया। पिकअप की टक्कर से बाइक सवार युवक छलकर दूर जा गिरा। उसके सिर में गहरी चोट लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वहां मौजूद लोगों ने युवक को तुरंत लसाड़िया सरकारी हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने युवक को मृत घोषित कर दिया। मृतक का नाम लकुकालेवा के रोन फला निवासी खेमराज मीणा (35) बताया जा रहा है।

अनूठा शिविर: जोधपुर में आयोजित शिविर में मदर मिल्क डोनेट करने पहुंची 108 प्रसूताएं... किया सम्मान

अनाथ बच्चों के लिए माताओं ने दान किया 'आंचल का अमृत'

बेधड़क | जोधपुर

जिले में गुरुवार को एक अनूठा शिविर आयोजित किया। यह शिविर ऐसे नवजातों को ध्यान में रखते हुए लगाया गया, जिन्हें जन्म के बाद मां का दूध नहीं मिल पाता।

शिविर में माताओं ने अनाथ नवजात बच्चों की जान बचाने और उन्हें 'आंचल के अमृत' से जीवन दान देने के लिए उत्साह दिखाया। करीब 108 महिलाओं ने मदर मिल्क डोनेट किया। मदर मिल्क बैंक के लिए दूध का दान करने के लिए कई महिलाएं 100 किलोमीटर दूर से भी जोधपुर पहुंचीं। मदर मिल्क बैंक के लिए जोधपुर की नवजीवन संस्थान ने यह आयोजन किया। संस्था के प्रभारी राजेंद्र परिहार ने बताया कि नवजात बच्चों को मां का दूध न मिले तो उनके शरीर का पूरा विकास नहीं होता। इसके अभाव में कई बार बच्चों की मौत तक हो जाती है। ऐसे बच्चों का जीवन बचाने के उद्देश्य से 1989 में नवजीवन संस्था की स्थापना हुई। संस्था के लव-कुश मदर मिल्क बैंक के लिए गुरुवार को प्रसूता महिलाएं आगे आईं और अपना दूध डोनेट किया। मिल्क डोनेट करने आई एक महिला ने बताया कि यहां आकर अच्छा लग रहा है। अनाथ बच्चों के लिए दूध दान कर संतोष मिल रहा है।

मैं अब तक 4 बार मिल्क डोनेट कर चुकी हूं। बालेसर से आई ममता ने बताया कि अब तक 15 से अधिक बार मिल्क डोनेट कर चुकी हूं। मिल्क डोनेट करके खुशी मिलती है कि यह अनाथ बच्चों के काम आएगा। शिविर में दूध दान के बाद धात्री महिलाओं को संस्था की ओर से सर्टिफिकेट दिया गया।

प्रसूताओं के लिए लगाई जाती है एम्बुलेंस

संस्थान की ओर से शिविर तक आने में असक्षम महिलाओं के लिए एम्बुलेंस की व्यवस्था भी की जाती है। संस्थान की दो महिलाएं प्रसूताओं के घर पहुंचकर मिल्क कलेक्शन करती हैं। एक बच्चे के लिए लगभग 100 एमएल दूध की जरूरत होती है। एक बार में 50 से 100 एमएल तक का कलेक्शन हो जाता है। दान किए हुए मिल्क की कलेविटिंग, स्कीनिंग, पुलिंग, प्रोसेसिंग, पाश्चराइजिंग, डिस्ट्रीब्यूटिक मशीनों से होती है। एक स्टडी के मुताबिक भारत में 10 लाख बच्चों की स्तनपान से जान बचाई जा सकती है। दूध दान से शिशु के जीवित रहने की संभावना 6 गुना बढ़ सकती है।

अपनी तरह का पहला शिविर

प्रभारी राजेंद्र परिहार ने बताया कि गुरुवार को लव-कुश मदर मिल्क बैंक में शहर का यह पहला दुग्ध दान शिविर लगाया गया था। यह अपनी तरह का प्रथम शिविर था, बच्चों के लिए मिल्क डोनेट करने का भी माताओं में उत्साह दिखाई दिया। समाजसेवी भगवान सिंह परिहार (बाऊजी) की स्मृति में शिविर आयोजित किया गया। शिविर में पालना गृह के नवजात शिशुओं के लिए मिल्क डोनेट किया गया। खास बात यह रही कि ग्रामीण इलाकों से भी महिलाएं जोधपुर पहुंची और दूध दान किया। यहां सुबह 10 से शाम 4 बजे तक शिविर लगाया गया। आधुनिक मशीनों से महिलाओं ने दूध डोनेट किया। निजी संस्था की ओर से संचालित यह प्रदेश का पहला मदर मिल्क बैंक है।

अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, लोगों ने पुष्पवर्षा कर दी श्रद्धांजलि

सुखदेव सिंह की देह पहुंचते ही गांव में लगे नारे 'दादा अमर रहे'

बेधड़क | सीकर

श्रीराष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के संस्थापक सुखदेव सिंह मामडोली की हत्या के बाद प्रदेशभर में समाजबंधुओं में आक्रोश देखा गया। गुरुवार को सुखदेव सिंह के गांव गोगामेड़ी में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

अंतिम संस्कार और शव यात्रा में सर्वसमाज के लोगों का हुजूम उमड़ा नजर आया। लोगों ने श्रद्धासुमन अर्पित कर गोगामेड़ी को अंतिम विदाई दी। बुधवार देर रात एसएमएस हॉस्पिटल में मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद गुरुवार को श्रद्धाजंलि सभा के रूप में शव को गोगामेड़ी गांव ले जाया गया। यात्रा जयपुर के भवानी निकेतन कॉलेज, चौमूं, रींगस, सीकर, लक्ष्मणगढ़, फतेहपुर, चूरू, तारानगर, साहवा, भादरा होते हुए शाम करीब 4 बजे गोगामेड़ी पहुंची। इस दौरान रास्ते में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर लोगों ने सुखदेव सिंह को अंतिम विदाई दी। वहीं भादरा से लेकर गोगामेड़ी तक चप्पे-चप्पे पर पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। यहां गोगामेड़ी की ढाणी 9 डीपीएन में सुबह से ही लोग जुटना शुरू हो गए थे। यहां भी पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस किसी भी प्रकार के हंगामे को रोकने के लिए तत्परता से जुटी हुई थी। शाम को श्रद्धांजलि यात्रा जैसे ही गोगामेड़ी पहुंची तो लोगों ने 'दादा अमर रहे' के नारे लगाए। इस दौरान नारों से माहौल गूंज उठा। बड़ी संख्या में लोग यहां मौजूद रहे। जिस एम्बुलेंस में शव में शव को लाया गया था उस पर लोगों ने रास्ते में पुष्पवर्षा की।

वहीं सड़कों पर लोगों हुजूम उमड़ा दिखाई दिया। सुखदेव सिंह की पार्थिव देह के गांव आने की सूचना पाकर बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर एकत्र हो गए। इस दौरान वाहनों को भी दूसरो रास्तों से निकाला गया।

सड़क दोनों लोगों की भीड़ जुटी दिखाई दी। इस दौरान हत्यारों के खिलाफ लोगों का गुस्सा भी देखने को मिले। लोग हत्यारों को कोसते नजर आए।

पैतृक गांव धमोरा में भी छाया मातम

सुखदेव सिंह गोगामेड़ी का पैतृक गांव हनुमानगढ़ में नहीं बल्कि झुंझुनूं जिले में उदयपुरवाटी में है। यह गांव है धमौरा। उदयपुरवाटी शहर से करीब 15 किलोमीटर दूर यह गांव स्थित है। इस गांव की चर्चा कहीं भी नहीं है, लेकिन बीते 3 दिन से गांव में सन्नाटा है। कई घरों में चूल्हा तक नहीं जला है। एक उदासी पूरे गांव में छाई हुई है। चर्चा सिर्फ सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की है। इस छोटे से गांव में कुछ दुकानें हैं। दो दिन से इनके शटर ऊंचे नहीं हुए हैं। सब यही जानते हैं कि सुखदेव सिंह गोगामेड़ी के रहने वाले थे। बहुत कम लोगों को पता है कि झुंझुनूं जिले का धमौरा उनका पैतृक गांव है। सुखदेव सिंह के दादा जवाहर सिंह कई साल पहले धमौरा से गोगामेड़ी चले गए थे।

दोनों हत्यारों पर 5-5 लाख का इनाम घोषित

सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड के दो आरोपी रोहित सिंह राठौड़ और नितिन फौजी पर 5-5 लाख का इनाम घोषित किया गया है। एडीजी क्राइम दिनेश एमएन ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। इसके अनुसार सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड के आरोपी रोहित सिंह राठौड़ और नितिन फौजी पर मिश्रा के निर्देश पर सर्वाधिक इनाम 5-5 लाख रुपए घोषित किया गया है। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय से गुरुवार को आदेश जारी किए गए हैं। आरोपी रोहित सिंह राठौड़ मकराना नागौर का निवासी है, जो की जयपुर में रह रहा था। वहीं आरोपी नितिन फौजी महेंद्रगढ़ हरियाणा निवासी है।

अजमेर डिस्कॉम की लोक अदालत कल

आपसी सहमति से होगा 1 लाख, 13 हजार 683 मामलों का निपटारा

बेधड़क | अजमेर

अजमेर डिस्कॉम ने 17 जिलों में बिजली कनेक्शन काटने और बिजली चोरी के 1 लाख 13 हजार 683 मामलों के निस्तारण की तैयारी शुरू कर दी है। डिस्कॉम आगामी 9 दिसम्बर को राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से यह मामले निस्तारित करेगा। इस मामलों के तहत उपभोक्ताओं पर डिस्कॉम का करीब 198 करोड़ रुपए बकाया है।

डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक एन. एस. निर्वाण ने सभी संभागीय मुख्य एवं अधीक्षण अभियंताओं को निर्देश दिए कि वे लोक अदालत के लिए अपने कार्यालय के नोडल अधिकारी की नियुक्ति करें। लोक अदालत में सहमति से मामलों का निपटारा किया जाएगा। निर्वाण ने बताया कि स्थायी विद्युत संबंध विच्छेद के 103242 मामले बकाया हैं। इनमें अजमेर सर्किल के 1704, ब्यावर के 1756, केकड़ी के 806, भीलवाड़ा सर्किल के 5141 , शाहपुरा सर्किल के 626, नागौर सर्किल के 4882, डीडवाना कुचामन सर्किल के 2357, झुंझुनूं के 13063, सीकर के 8999, नीम का थाना के 8082, उदयपुर सर्किल के 11712, सलूम्बर जिले के 5431, राजसमंद के 4935, बांसवाड़ा के 5036, डूंगरपुर के 7002, चित्तौड़गढ़ के 20340 एवं प्रतापगढ़ सर्किल के 1370 पीडीसी उपभोक्ताओं को लोक अदालत के जरिये निस्तारण के लिए नोटिस भेजे जा रहे हैं। इन पर निगम का कुल 180.58 करोड़ रुपए का राजस्व बकाया है। इसी तरह बिजली चोरी से संबंधित 10441 मामले लंबित हैं।

इनमें अजमेर सर्किल के 299, ब्यावर सर्किल के 146, केकड़ी सर्किल के 54, भीलवाड़ा सर्किल के 547 , शाहपुरा सर्किल के 222, नागौर सर्किल के 811, डीडवाना कुचामन सर्किल के 557, झुंझुनूं के 2345, सीकर के 915, नीम का थाना के 3034, उदयपुर सर्किल के 416, सलूम्बर जिले के 29, राजसमंद के 54, बांसवाड़ा के 244, डूंगरपुर के 42, चित्तौड़गढ़ के 406 एवं प्रतापगढ़ सर्किल के 320 वीसीआर वाले उपभोक्ताओं को लोक अदालत के जरिए निस्तारण करने के लिए नोटिस भेजे जा रहे है। इन पर निगम का कुल 17.43 करोड़ रुपए बकाया हैं।

जोधपुर पहुंचे अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा...

PM के कामों से मिली प्रदेश में जीत

बेधड़क | जोधपुर

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू गुरुवार को इंडिगो की दिल्ली फ्लाइट से जोधपुर पहुंचे। वे यहां अरुणाचल के आईएएस शरद चौहान की बेटी की शादी में शामिल होने आए थे।

एयरपोर्ट पर वे मीडिया से भी मुखातिब हुए। इस दौरान उन्होंने राजस्थान में भाजपा की जीत पर खुशी जताई। सीएम पेमा खांडू ने कहा कि राजस्थान सहित तीन राज्यों में भाजपा को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यों की वजह से जीत मिली है। उन्होंने कहा कि तीनों बड़े राज्यों में हुई जीत से पता चल रहा है कि प्रधानमंत्री ने 9 वर्षों तक जो काम किया, वह लोगों तक पहुंच रहा है। यह प्रधानमंत्री और भाजपा के कार्यों का रिफ्लैक्शन है। पूर्वोत्तर स्टेट में विकास को लेकर उन्होंने कहा कि 2014 के बाद पूर्वोत्तर में काफी विकास हुआ है। नॉर्थ ईस्ट में हर जगह एयरपोर्ट, रेलवे व हाईवे बन गए हैं। ट्रांसपोर्ट कम्युनिकेशन में नॉर्थ ईस्ट बॉटम नेक था, लेकिन अब डवलपमेंट हो गया है। अब पूर्वोत्तर में सुविधाओं का अभाव इतिहास की बात है।

पेमा खांडू अरुणाचल के आईएएस शरद चौहान की बेटी के विवाह समारोह में शामिल हुए। चौहान 1994 बैच के आईएएस अधिकारी हैं जो अरुणाचल प्रदेश सरकार में स्वास्थ्य व परिवार कल्याण विभाग के प्रधान सचिव रहे हैं। जोधपुर के सरदार क्लब में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने के बाद पेमा खांडू शुक्रवार को रवाना होंगे।

झुंझुनूं में गैंगवार: हिस्ट्रीशीटर व उसके साथी पर शक

हार्डकोर अपराधी की पीट-पीटकर हत्या

बेधड़क | झुंझुनूं

करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के दूसरे ही दिन प्रदेश में एक बार फिर गैंगवार देखने को मिली। बुधवार की शाम को हरियाणा बॉर्डर स्थित झुंझुनूं जिले के पचेरी कलां थाना क्षेत्र के रायपुर अहीरान गांव में एक हार्डकोर अपराधी को बदमाशों ने पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया।

पचेरी कलां थानाधिकारी रणजीत सिंह ने बताया कि 6 दिसंबर की शाम को सूचना मिली थी कि रायपुर अहीरान गांव में स्थित शराब ठेके के पास पथाना निवासी हार्डकोर अपराधी पप्पू उर्फ पपिया के साथ गंभीर मारपीट हुई है। पचेरी कलां थानाधिकारी ने बताया कि सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को घटनास्थल पर न तो पपिया मिला और ना ही मारपीट करने वाले मिले। दरअसल, पप्पू उर्फ पपिया को उसके परिजन सिंघाना के निजी अस्पताल लेकर पहुंच चुके थे, जहां से पप्पू की हालत गंभीर होने पर उसे नारनौल हरियाणा रेफर कर दिया गया वहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने पप्पू को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को बुहाना अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। इस मामले में थाने के हिस्ट्रीशीटर राजवीर उर्फ धोलिया तथा उसके साथी मनोज उर्फ कालू पर शक जताया है, जो पप्पू के गांव पथाना के ही रहने वाले हैं। वारदात के बाद से दोनों ही फरार हैं।

गौरतलब है कि दोनों बदमाशों के बीच लंबे समय से अनबन चल रही थी। पिछले दिनों पप्पू उर्फ पपिया के बेटे ने हिस्ट्रीशीटर राजवीर उर्फ धोलिया तथा मनोज उर्फ कालू और उसके साथियों को पीटा था।

विधायक अपनी जीत के लिए जता रहे मतदाताओं का आभार

अभी जनता के बीच मेल-मिलाप, बुलावे का इंतजार

बेधड़क | उदयपुर

प्रदेश में विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद सबसे बड़े दल के रूप में उभरकर आई भारतीय जनता पार्टी में अब मुख्यमंत्री बनाए जाने को लेकर कवायद चल रही है। इसी बीच विधायकों को भी सरकार के गठन का इंतजार है।

फिलहाल तो विधायक अपने विधानसभा क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं और जनता के बीच हैं। वे अपने क्षेत्रों में घूम-घूम कर लोगों से मेल-मिलाप करते हुए अपनी जीत के लिए मतदाताओं का आभार जता रहे हैं। वहीं उनको सरकार के गठन को लेकर जयपुर से बुलावे का भी इंतजार है। उदयपुर में भी कुछ ऐसा ही दौर चल रहा है। जिले के 6 में से 2 विधायक जयपुर हैं, लेकिन वे अपनों से मिल रहे हैं। जीते हुए विधायक कहीं कार्यकर्ताओं के साथ जीत को लेकर चर्चा करने में जुटे तो कुछ समय जनता के बीच जहां से फोन आ रहे हैं वहां पहुंच रहे हैं। विधायकों ने बातचीत में कहा कि पार्टी मुख्यालय से फोन पर आने वाली सूचना का इंतजार है। जैसे ही सूचना मिलती है कि जयपुर पहुंचना है तो बस गाड़ी लेकर रवाना और पांच से छह घंटे में पहुंच जाएंगे। उदयपुर ग्रामीण के भाजपा विधायक फूलसिंह मीणा तो जनता के बीच है। वे दोपहर में बड़ी क्षेत्र में दौरें पर थे। उन्होंने यहां कार्यकर्ताओं और क्षेत्र के लोगों से मुलाकात कर सभी का आभार जताया। इस दौरान क्षेत्र की समस्याओं एवं कई मुद्दों को लेकर बातचीत भी हुई।

जनता के बीच जाकर कर रहे चर्चा

उदयपुर के विधायक जनता के बीच जाकर चर्चा कर रहे हैं। इसी कड़ी में शहर के विधायक ताराचंद जैन लगातार कार्यकर्ताओं और जनता के बीच में जा रहे हैं। उनके समर्थक जीत की खुशी में स्वागत और सम्मान कर रहे हैं। एक दिन पहले उन्हानें स्मार्ट सिटी के विकास कार्यों की प्रगति जानी थी। झाड़ोल विधायक बाबूलाल खराड़ी अपने क्षेत्र में ही है, वे कोटड़ा क्षेत्र में दौरें पर है और जानकारी ले रहे हैं। खराड़ी कहते है कि अभी जनता के बीच है, जयपुर से कोई सूचना मिलेगी तब रवाना होंगे।

मुख्यमंत्री के नाम पर पसंद पूछी तो टाल गए

सलूंबर विधायक अमृतलाल मीणा सलूंबर क्षेत्र में ही है, मीणा कहते है कि अभी तो कार्यकर्ता व जनता के बीच घूम रहे है, जयपुर की सूचना आएगी तब जाएंगे। वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी इस समय जयपुर है, अपने प्रमुख नेताओं से लेकर अपने परिचितों से मिल रहे है। गोगुंदा विधायक प्रताप भील ने फोन बंद कर रखा है लेकिन उनके नजदीकी लोगों का कहना है कि वे अभी जयपुर हैं। इन विधायकों से जब यह पूछा गया कि मुख्यमंत्री के नाम पर उनकी पसंद क्या है तो सबने टाल दिया। बोले पार्टी मंच पर बात होगी वही बात की जाएगी। विधायक दल की बैठक में चर्चा होगी और उसके बाद संसदीय बोर्ड फैसला करेगा।

दुकान पर किया हमला 5 लाख लूटने का आरोप

बेधड़क | भरतपुर

डीग जिले के कामां थाना इलाके में 50 युवकों ने एक दुकान पर हमला कर दिया। युवकों ने दुकान के अंदर जमकर तोड़फोड़ की। दुकान मालिक का आरोप है कि करीब 50 युवक दुकान के अंदर घुसकर 5 लाख रुपए लूटकर ले गए। साथ ही युवकों ने दुकान के शीशे, 2 लैपटॉप सहित जमकर तोड़फोड़ की। यह घटना सीओ ऑफिस के सामने की है।

सीओ ऑफिस के सामने गौरव एंटरप्राइजेज के नाम से दुकान है। दुकान मालिक ने बताया कि रामेश्वर सरपंच के बेटे भूरा ने ऑनलाइन सामान खरीदा था। इसे वह वापस करने के लिए आया, लेकिन वह नए सामान की जगह पुराने सामान को वापस कर रहा था। इसलिए उससे मना कर दिया। इसके बाद वह अपने साथ करीब 50 युवकों को लेकर आया और दुकान पर हमला कर दिया। हमलावरों ने दुकान के अंदर जमकर तोड़फोड़ की, 2 लैपटॉप भी तोड़ दिए। दुकान के अंदर रखे 5 लाख रुपए लूटकर ले गए। हमलावरों के भागने के बाद दुकान मालिक ने घटना की सूचना पुलिस को दी, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची। यह घटना पूरी सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

इस बार रिकॉर्ड 14 लाख 10 हजार स्टूडेंट्स ने किया है रजिस्ट्रेशन, जनवरी और अप्रैल में होगी परीक्षा

जेईई-मेन्स: आवेदन पत्र में करेक्शन का आज अंतिम दिन

बेधड़क | जयपुर

देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन्स के लिए आवेदन प्रक्रिया समाप्त होने के बाद अब आवेदन कर चुके स्टूडेंट्स के लिए आवेदन पत्र में करेक्शन का शुक्रवार को अंतिम दिन है।

शुक्रवार तक स्टूडेंट्स अपने आवेदन पत्र में करेक्शन कर सकते हैं। इस बार जेईई-मेन्स में अब तक के सर्वाधिक 14 लाख 10 हजार से ज्यादा स्टूडेंट्स ने आवेदन किया है। पिछले साल करीब 8 लाख 60 हजार स्टूडेंट्स ने आवेदन किया था। एनटीए की ओर से जारी सूचना के अनुसार जिन स्टूडेंट्स ने सेशन-1 के लिए आवेदन किया है, वे अतिरिक्त परीक्षा शुल्क देकर सेशन-2 के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। इसके साथ ही जिन विद्यार्थियों ने सेशन-1 व 2 दोनों के लिए एक साथ आवेदन कर दिया है, वे करेक्शन के दौरान सेशन-2 की परीक्षा के लिए किए गए आवेदन को रद्द कर सकते हैं। हालांकि रद्द करने के बाद भी उनकी फीस रिफंड नहीं होगी।

एनटीयू ने स्पष्ट किया गया है कि करेक्शन के दौरान जिन स्टूडेंट्स ने केवल बीई-बीटेक के लिए आवेदन किया है वे बीआर्क व बी-प्लानिंग के लिए अतिरिक्त परीक्षा शुल्क देकर आवेदन कर सकते हैं। वहीं जेईई-मेन्स परीक्षा के अतिरिक्त स्टूडेंट्स वीआईटी, मनीपाल, एसआरएम, यूपीईएस, बिट्स, कलिंगा, अमृता, नरसीमोन्जी मुम्बई, पेस बेंगलुरू, शिव नाडार इंजीनियरिंग संस्थान आदि के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। इनमें से कई इंजीनियरिंग संस्थानों की आवेदन प्रक्रिया जारी है।

गौरतलब है कि जेईई-मेन्स सेशन-1 की परीक्षा 24 जनवरी से 1 फरवरी 2024 और सेशन-2 की परीक्षा 1 अप्रैल से 15 अप्रैल 2024 तक आयोजित की जाएगी।

ये स्टेप्स करें फॉलो

- आधिकारिक वेबसाइट jeemain.nta.ac.in पर जाएं।
- यहां उपलब्ध आवेदन पत्र सुधार लिंक पर क्लिक करें और लॉगिन करें।
- सभी निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
- सुधार करें और शुल्क का भुगतान करें।
- भविष्य के संदर्भ के लिए अंतिम पृष्ठ का स्क्रीनशॉट लें।

Yuva स्टोरीज

अब विश्वविद्यालय व कॉलेजों से भी कर सकेंगे शॉर्ट टर्म कोर्स

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये
UGC
University Grants Commission

बेधड़क | नई दिल्ली।

उच्च शिक्षा में कौशल को एकीकृत करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) 12वीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले युवाओं के लिए अल्पकालिक उद्योग-प्रासंगिक पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहा है।

यूजीसी ने गुरुवार को उच्च शैक्षणिक संस्थानों में अल्पकालिक कौशल विकास पाठ्यक्रमों की शुरूआत के लिए दिशानिर्देश को मंजूरी दे दी। इन पाठ्यक्रमों के जरिए छात्र तीन से छह महीने के क्रेडिट-लिंक्ड अल्पकालिक कौशल विकास प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम कर अपने कॅरियर को आकार दे पाएंगे। यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार, विश्वविद्यालय और कॉलेज प्लेसमेंट के अवसरों, फंडिंग योजनाओं, प्रशिक्षण और उद्योग-संरेखित नवीनतम पाठ्यक्रम सामग्री तक पहुंचने के लिए प्रासंगिक कौशल परिषदों और उद्योग के खिलाड़ियों के साथ सहयोग कर सकते हैं। पाठ्यक्रम सेल्फ सस्टेनेबल मोड में चलेंगे और विश्वविद्यालय तदनुसार नीति तय करने के लिए स्वतंत्र हैं।

यूजीसी ने दिए एआई-एमएल सहित कई पाठ्यक्रमों के सुझाव

यूजीसी दिशानिर्देशों में आर्टिफिशयल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर अल्पकालिक पाठ्यक्रम का सुझाव दिया गया है। एआई और रोबोटिक्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, डेटा साइंस, क्लाउड कंप्यूटिंग, वर्चुअल रियलिटी, साइबर सुरक्षा, 5जी कनेक्टिविटी, औद्योगिक स्वचालन सहित अल्पकालिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों की सूची में योग विज्ञान को शामिल करने का भी सुझाव दिया गया है। यूजीसी अध्यक्ष एम जगदेश कुमार के अनुसार किसी भी स्ट्रीम में एक अल्पकालिक कौशल विकास पाठ्यक्रम में व्यावहारिक शिक्षा पर विशेष ध्यान देने के साथ कम से कम 12 क्रेडिट और अधिकतम 30 क्रेडिट होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम में न्यूनतम छात्र-संकाय अनुपात 1:30 के साथ अधिकतम 60 सीटों की पेशकश की जाएगी। चूंकि 2023 से पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट पहचान पत्र प्राप्त करना अनिवार्य कर दिया गया है, इसलिए छात्रों को एबीसी प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण करना आवश्यक होगा। शैक्षणिक संस्थान प्रत्येक पाठ्यक्रम की शुल्क संरचना और शुल्क वापसी नीति भी तय कर सकते हैं जिसे आधिकारिक वेबसाइट पर पोस्ट करना होगा।

IGNOU और AIASL में निकली भर्ती

बेधड़क | जयपुर

इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (IGNOU) ने जूनियर असिस्टेंट कम-टाइपिस्ट और स्टेनोग्राफर के 102 पदों के लिए भर्तियां निकाली हैं। इच्छुक उम्मीदवार इग्नू की ऑफिशियल वेबसाइट exams.nta.ac.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं व टाइपिंग-स्टेनो दक्षता है।

आयु सीमा 18 से 30 साल है जिसमें आरक्षित वर्ग को नियमानुसार छूट दी जाएगी। आवेदन की अंतिम तिथि 21 दिसंबर है। इसके अलावा एआई एयरपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड (AIASL) की ओर से कस्टमर सर्विस एग्जीक्यूटिव के पदों पर भर्ती निकाली गई है। यह भर्ती वॉक इन इंटरव्यू के माध्यम से होगी। इस भर्ती के अंतर्गत कस्टमर सर्विस एग्जीक्यूटिव/ जूनियर कस्टमर सर्विस एग्जीक्यूटिव पदों पर भर्ती की जाएगी।

कोचीन में 47 पद, कालीकट में 31 और कन्नूर में 50 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। अधिकतम आयु सीमा 28 साल व शैक्षणिक योग्यता ग्रेजुएशन है।

सिटी पैलेस में जयपुर हिस्ट्री फेस्टिवल

स्टूडेंट्स के हुनर से खिलखिलाई विरासत

बेधड़क | जयपुर

मनजयपुर। सिटी पैलेस में गुरुवार को शुरू हुए जयपुर हिस्ट्री फेस्टिवल में स्कूल स्टूडेंट्स ने अपने लाजवाब हुनर के माध्यम से इतिहास के अनछुए पहलुओं को छुआ। 'एज्युकेशन थ्रू मॉन्यूमेंट्स' थीम पर आयोजित कार्यक्रम में जयपुर के साथ ही गुरुग्राम, दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, वाराणसी, वड़ोदरा व जम्मू आदि शहरों के 25 स्कूलों के 2500 से अधिक स्टूडेंट्स ने भाग लिया। महाराजा सवाई भवानी सिंह स्कूल के स्टूडेंट्स ने पीपीटी के साथ स्टोरी टेलिंग व स्किट के माध्यम से गैटोर की छतरियों को दर्शाया। सनबीम सनसिटी वाराणसी ने कर्दमेश्वर महादेव वाराणसी पर एक नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। सनबीम स्कूल सारनाथ वाराणसी ने अशोक-बुद्ध थीम पर लायन कैपिटल सारनाथ पर नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। दिल्ली पब्लिक स्कूल, जयपुर ने एक संगीतमय प्रस्तुति और मिलेट्स पर एक गीत, सर्वधर्म प्रार्थना की और मैं नया भारत हूं पर एक नृत्य के माध्यम से जंतर मंतर पर अपने शोध को प्रदर्शित किया। आर्क कॉलेज ऑफ डिजाइन एंड बिजनेस के सहयोग से पैलेस स्कूल ने वस्त्र शास्त्रः द मॉन्यूमेंट वॉक-स्मारक के माध्यम से शिक्षा की एक अनूठी प्रस्तुति प्रस्तुति दी। 22 बच्चों ने द सिटी पैलेस जयपुर, गोविंद देवजी मंदिर, ईसर लाट और स्मारकों के कुछ हिस्सों को चित्रित करते हुए रैंप वॉक किया। सनबीम स्कूल लहरतारा, वाराणसी के स्टूडेंट्स ने आधुनिक समय में तुलसीदास जी के घर का महत्व विषय पर नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। जम्मू संस्कृति स्कूल ने डोगरा शासकों की संस्कृति का चित्रण करते हुए नृत्य और नाटक प्रस्तुत किया। इस अवसर पर गौरवी कुमारी, सवाई मान सिंह द्वितीय संग्रहालय ट्रस्ट की कार्यकारी ट्रस्टी रमा दत्त, सवाई भवानी सिंह स्कूल की प्रिंसिपल वैदेही सिंह, द पैलेस स्कूल की प्रिंसिपल उर्वशी वर्मन सहित विभिन्न स्कूलों के प्रिंसिपल्स व अन्य लोग मौजूद थे।

साकार हुई गंगा आरती

सनबीम वरुणा, वाराणसी ने आकर्षक गंगा आरती के माध्यम से वरुणा नदी के संरक्षण, वाराणसी के आकर्षण और महिमा पर नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। सिग्नस वर्ल्ड स्कूल, वडोदरा ने नृत्य नाटिका का प्रदर्शन किया। उत्तम स्कूल फॉर गर्ल्स गाजियाबाद ने विरासत की खोज पर नाटक प्रस्तुत किया। इस मौके पर स्टूडेंट्स की विभिन्न पुस्तकों का विमोचन भी किया गया।

खेल दिवस पर विद्यार्थियों ने दिखाई लाजवाब प्रतिभा

बेधड़क | जयपुर

अजमेर स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक एक की ओर से गुरुवार को वार्षिक खेल दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि केंद्रीय पुलिस बल के उप महानिरीक्षक संजय यादव ने मार्च पास्ट की सलामी ली और 101 गुब्बारे आसमान में उड़ाकर कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया। खेल दिवस के अवसर पर रस्साकसी प्रतियोगिता, जलेबी प्रतियोगिता, दौड़ प्रतियोगिता, क्रिकेट प्रतियोगिता सहित अध्यापकों तथा विद्यार्थीयों के मध्य भी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें अशोक सदन ने प्रथम स्थान, टैगोर सदन तथा रमन सदन ने क्रमशः द्वितीय एंव तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर विद्यालय परिसर मे वृक्षारोपण भी किया गया। प्राचार्य डॉ. आर के मीना ने बताया कि अजमेर के 195 खिलाड़ियों ने संभाग स्तर पर राजस्थान के विभिन्न केन्द्रीय विद्यालयों में आयोजित विभिन्न खेलों मे भाग लिया। संभाग स्तर पर आयोजित विभिन्न खेलों मे उत्कृष्ट प्रदर्शन कर इस विद्यालय के 60 खिलाड़ी केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर पर खेल प्रीतियोगिताओ के लिए चयनित हुए। उनमें से 23 खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर मेडल प्राप्त हुए तथा 13 खिलाड़ियों का स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के लिए चयन हुआ है।

इस विद्यालय के 1985 में खुलने के बाद यह पहला अवसर है जिसमे 195 विद्यार्थीयों को संभाग स्तर पर, 60 विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर तथा 13 विद्यार्थियों को स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया में खेलने का अवसर प्राप्त हुआ है। विद्यालय के पर्यावरण प्रभारी विशाल टाक ने बताया की पिछले तीन वर्षों मे विद्यालय परिसर मे 700 नए पेड़ लगाए गए हैं, 3 वर्ष पूर्व विद्यालय परिसर मे मात्र 200 पेड़ थे जो वर्तमान में बढ़कर लगभग 900 पेड़ हो चुके हैं।

इस अवसर पर विद्यालय के उप-प्राचार्य ओमप्रकाश जोशी, प्रधानाध्यापक त्रिलोक चंद तथा शारीरिक शिक्षक मनोज कुमार बैरवा ने भी विचार व्यक्त किए।

डिस्कशन | वीजीयू में आयोजित कॉन्फ्रेंस 'कम्प्यूटेशिया' में बोले एक्सपर्ट्स

रोबोटिक क्रांति से नौकरियों को कोई खतरा नहीं

बेधड़क | जयपुर

"दुनिया भर में चल रही रोबोटिक क्रांति केवल नौकरियां खत्म करने के लिए नहीं है बल्कि इसके सकारात्मक पहलू इससे अधिक हैं। जरूरत है तो स्वयं को इसके अनुसार ढालने की और इस क्रांति का अधिकाधिक उपयोग करने की।" विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'कंप्यूटेशिया' विशेषज्ञों ने कुछ इस प्रकार के विचार साझा किए।

'कंप्यूटेशिया' शुरुवात गुरुवार को यूनिवर्सिटी कैंपस में हुई। दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए देश भर के शीर्ष विशेषज्ञ वीजीयू में जुटे हैं। कार्यक्रम के पहले दिन अपने उद्बोधन में भारतीय विद्यापीठ इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन एंड मैनेजमेंट के निर्देशक डॉ. एमएन हुड्डा ने कहा कि आज के युवा ही भारत के भविष्य निर्माता हैं। उन्होंने बताया कि इस तरह की कांफ्रेंस का आयोजन करना हमेशा ही मुश्किल रहता है। उनके संबोधन का केंद्र भारत के युवा रहे। इसके अलावा कांफ्रेंस में वक्ताओं ने एआई के बारे में बताते हुए भारत के 'डिजियात्रा' एप को एक क्रांतिकारी कदम बताया। यह ऐप चेहरा पहचानने की तकनीक द्वारा यात्रियों को एयरपोर्ट में प्रवेश करने की अनुमति देता है।

कार्यक्रम में बोलते हुए ग्लोबल टेली सर्विस सिंगापुर के निर्देशक (आईटी) संदीप बेनीवाल ने उपस्थित प्रतिभागियों को 5जी तकनीक की क्रांति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि कैसे विश्व तेज गति से इंटरनेट उपयोग करने के नए युग में प्रवेश ले रहा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक रोबोटिक क्रांति मात्र नौकरियां खत्म करने के लिए नहीं है।

हमें बस स्वयं को इसके अनुसार ढालना होगा और नए विचारों को जगह देनी होगी।

MSME के फंड का सदुपयोग करें स्टार्टअप

इसके पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए वीजीयू के डीन इंजीनियरिंग डॉ. बलदेव सिंह ने बाजार में कंपनियों के एकाधिकार के बारे में चर्चा की। उन्होंने मशहूर पुस्तक '0 से 1' से उद्धरण लेते हुए भारतीय और पश्चिमी वर्क कल्चर में अंतर स्पष्ट किया। उन्होंने युवाओं को सलाह दी कि उन्हें हमेशा बेहतरी की तलाश में रहना चाहिए। इसके अलावा हैकिंग, एआई और साइबर फ्रॉड जैसे विषय भी इस कांफ्रेंस का मुख्य केंद्र रहे। वीजीयू के चेयरमैन डॉ. केआर बगरिया ने बताया कि कैसे छात्र और विश्वविद्यालय स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एमएसएमई द्वारा स्वीकृत दो करोड़ रुपए की राशि का सदुपयोग कर सकते हैं। कॉन्फ्रेंस में विश्वविद्यालय के विद्यार्थी और फैकल्टी मेंबर्स उपस्थित रहे। कॉन्फ्रेंस के बाद स्टूडेंट्स ने बताया कि कैसे यहां उन्हें नए विषयों और आधुनिक तकनीकी पहलू समझने में मदद मिली। कॉन्फ्रेंस खत्म करते हुए विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट प्रो. विजयवीर सिंह ने कहा कि यूनिवर्सिटी आगे भी छात्र हित में इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी।

सड़कों के गड्ढे आतंकियों से ज्यादा खतरनाक

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
स्वतंत्र टिप्पणीकार

आतंकवादी गतिविधियों में होने वाली जनहानि से दुनिया के देशों में सड़कों के गड्ढ़ों से होने वाली दुर्घटनाओं और मौतों से तुलना करना एक तरह से उचित नहीं माना जा सकता पर जिम्मेदारों की जरा सी लापरवाही से सड़क के गड्ढों के कारण होने वाली मौतों का बढ़ता आंकड़ा गंभीर चिंता का कारण बन जाता है। हांलाकि आतंकवादियों का मोटिव अलग होता हे वहीं सड़कों के गड्ढ़ों की मरम्मत कराकर ठीक करना तो हमारे हाथ में ही होता है। बात थोड़ी अजीब अवश्य लगेगी पर वास्तविकता तो यही है कि देश दुनिया में सड़कों के गड्ढे दुनिया की आतंकवादी गतिविधियों पर भारी पड़ रहे हैं। वैश्विक आंकड़ों का विश्लेषण किया जाए तो 2021 में आतंकवादी गतिविधियों के कारण 5226 लोग मारे गए। वहीं दूसरी और अकेले अमेरिका में ही 2021 में सड़कों के गड्ढ़ों के कारण 15 हजार से अधिक मारे गए। इसी तरह से इंग्लैण्ड में 1390, भारत में 3565, रुस में 431 लोग मारे गए। आतंकवाद के कारण होने वाली मौतों से यह कोई चार गुणा अधिक है। कमोबेस दुनिया के देशों में आज भी सड़कों पर गड्ढ़ो के कारण दुर्घटना से मौत के आंकड़ों में साल दर साल बढ़ोतरी ही होती जा रही है। केन्द्रीय सड़क व परिवहन मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में तमाम सड़क हादसों में सबसे अधिक मौत सड़कों पर बनें गड्ढ़ों के कारण हो रही है। अब सड़क में गड्ढ़ों के कारण मौत की जिम्मेदारी सरकार या स्थानीय प्रशासन से इतर किसी और को दी भी नही जा सकती। मौत को अलग कर भी दिया जाए तो सड़कों पर गड्ढ़ों से होने वाले अन्य नुकसान का ही विश्लेषण करें तो साफ हो जाता है कि यह कोई छोटा मोटी राजस्व हानि नहीं अपितु बड़ा नुकसान जुड़ा हुआ है। उदाहरण के तौर पर चैन्नई में कराए गए एक अध्ययन के अनुसार सड़क के गड्ढ़ों के कारण प्रतिदिन 75 करोड़ के राजस्व का नुकसान होता है।

> हालांकि यह प्रश्न उठाने की बात नहीं बल्कि सामने दिखने वाली बात है। हालात यहां तक हो गए है कि टोल सड़कों पर भी सड़कों के हालात अब ज्यादा अच्छे देखने को नहीं मिल रहे हैं। आखिर गड्ढ़ों या अन्य कारणों से किसी भी तरह की जनहानि या धनहानि होती है तो वह राष्ट्रीय नुकसान ही है। इसलिए इस क्षेत्र में कार्य कर रहे सरकारी व गैरसरकारी संस्थाओं को आगे आना होगा और कम से कम कम सड़कों के गड्ढों को तो मौत का कारण नहीं बनने दिया जाना चाहिए।

ऐसा नहीं है कि सरकारें या दुनिया के देश इस समस्या को लेकर गंभीर नहीं हो पर जो नतीजे साल दर साल देखने को मिलते हैं वह अपने आप में गंभीर है। सड़क के गड्ढ़ों की वैश्विक गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि जानकारों को मानना है कि प्रतिवर्ष 15 जनवरी को राष्ट्रीय गड्ढ़ा दिवस मनाया जाता है। इंगलैण्ड में गड्ढ़ों होने वाले नुकसान पर नागरिकों को मुआवजा देने का प्रावधान है। दूसरी और दुनिया के देशों द्वारा भी सड़कों के गड्ढ़ो के कारण होने वाली दुर्घटनाओं व मौतों को लेकर बड़े बड़े राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन, सेमिनार, गोष्ठियां, जनचेतना रैलियां होती रहती है तो सडके निर्माण में लगे इंजीनियरों व अन्य कार्मिकों को शिक्षण प्रशिक्षण दिया जाता है। यह भी साफ है कि गड्ढ़ों के जो प्रमुख कारण है वे भी किसी से सिफे हुए नहीं हैं। मोटे मोट रुप से कहा जाए तो सड़कों की खराब डिजाइन, हल्की सड़क निर्माण सामग्री, सड़क निर्माण मानकों की अनदेखी, सढ़कों पर पानी भरने, रखरखाव व देखरेख में लापरवाही, ठेकेदारों व अधिकारियों की लालची प्रवृति, सड़कों के मरम्मत कार्य में लापरवाही, गुणवत्ता पर ध्यान नहीं देने, सड़कों पर पानी की सही निकासी नहीं होने और इसी तरह के कयी कारण है जिनके कारण सड़कों पर गड्ढ़े बन जाते हैं। देखा जाए तो थेड़ी से अनदेखी, लापरवाही और छोटे से लालच के कारण यही सड़के मौत का कारण बन जाती है। इसके साथ ही आम जन की परेशानी का कारण बनने के साथ ही सरकारी धन का नुकसान होता है वह अलग। केवल गड्ढ़ा होने से दुर्घटना में मौत ही नहीं अपितु कितना नुकसान होता है यह किसी से छिपा नहीं है। एक पक्ष यह भी कि गड्ढ़ों के कारण दुर्घटना के साथ अन्य होने वाले नुकसानों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वाहनों के कलपुर्जों टायर आदि को नुकसान, सामान्य आदमी को भी दचकों से होने वाले पीठ आदि के दर्द, बीमार आदमी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर, इंधन का नुकसान, समय का नुकसान सहित अनेक ऐसे नुकसान है जिनकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती।

पिछले दिनों केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सड़क निर्माण में होने वाली लापरवाही के लिए संबंधित इंजीनियर्स व अन्य को जिम्मेदार बनाने, समुचित रखरखाव, ड्रोन से निगरानी और लोगों को टोल नंबर पर शिकायत करने जैसी सुविधाएं या कदम उठाने की पहल की है। इसी तरह से यह प्रावधान भी कई राज्य सरकारों द्वारा किए गए है व किए जा रहे हैं कि निश्चित समय सीमा से पहले सड़क क्षतिग्रस्त हो जाती है तो उसकी जिम्मेदारी सड़क बनाने वाले ठेकेदार की होगी। पर इसकी कितनी पालना हो रही है यह किसी से छुपी हुई नहीं हैं। बल्कि देखने में तो यही आता है कि एक बार सड़क बन जाने के बाद उसका कोई धनी धोरी ही दिखाई नहीं देता और फिर कभी कोई बड़ी दुर्घटना हो जाती है और उसके कारण बवंडर मच जाता है तब जाकर नींद खुलती है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि आज देश दुनिया में एक से एक नई तकनीक आ गई है। इसमें सड़क निर्माण की तकनीक भी शामिल है। पानी भरने वाले स्थानों पर सीमेंट कांक्रिट की सड़कें बनने लगी है पर ढ़ाक के वहीं तीन पात दिखाई देते हैं और सड़कों की गुणवत्ता पर आए दिन प्रश्न उठते रहते हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

विधानसभा चुनाव- 2023

राजस्थान में आपसी कलह से हारी कांग्रेस

रमेश सर्राफ धमोरा
टिप्पणीकार

> विधानसभा चुनाव से पहले अशोक गहलोत ने चौथी बार सीएम बनने के लिए पूरा जोर लगा दिया था। मगर कांग्रेस में चल रही आपसे गुटबाजी के चलते मतदाताओं ने कांग्रेस पार्टी को सिरे से ठुकरा दिया। विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री गहलोत ही पार्टी के मुख्य चेहरे बने हुए थे। उन्हीं के चेहरे पर कांग्रेस ने चुनाव लड़ा था। पार्टी की सभी प्रचार सामग्री पोस्टर, बैनर, होर्डिंगों में अशोक गहलोत की छाए हुए थे।

राजस्थान विधानसभा चुनाव में लोगों को जैसी अपेक्षा थी उसी के अनुरूप चुनाव परिणाम देखने को मिले हैं। पिछले पांच विधानसभा चुनाव से प्रदेश में हर बार राज बदलने की परंपरा छठी बार भी कायम रही है। अशोक गहलोत के लाख प्रयासों के उपरांत भी कांग्रेस पार्टी प्रदेश में हर बार सत्ता बदलने का रिवाज नहीं बना बदल पाई और सत्ता गंवा दी। राजस्थान के मतदाताओं ने भाजपा की भारी बहुमत से ताजपोशी की है ताकि अगले पांच साल तक वह बिना किसी बाधा के राज कर सके।

प्रदेश में भाजपा 115 सीटों के पर्याप्त बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। वहीं कांग्रेस का आंकड़ा 108 से घटकर 69 सीटों पर ही सीमट गया है। प्रदेश के मतदाताओं ने तीसरे मोर्चे के नाम पर नेतागिरी कर रहे बड़बोले नेताओं को भी चुनाव में उनकी जगह दिखा दी है। बहुजन समाज पार्टी मात्र दो सीटों पर सीमट गई। वहीं सत्ता की चाबी अपने हाथ में होने का दावा करने वाले नागौर के सांसद व राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल अपनी खुद की खींवसर विधानसभा सीट पर मात्र 2059 मतों के अंतर से जीत सके हैं। उनकी पार्टी के सभी प्रत्याशी पराजित हो गए।

चुनाव से कुछ महीना पहले ही बांगड़ के आदिवासी क्षेत्र में बनाई गई भारतीय आदिवासी पार्टी के तीन विधायक जीतने में सफल रहे हैं। हालांकि भारतीय आदिवासी पार्टी आदिवासी क्षेत्र में पहले भारतीय ट्राईबल पार्टी के नाम से पिछले विधानसभा चुनाव में उतरी थी और उसके दो विधायक जीते थे। उन्ही दोनों विधायकों ने भारतीय आदिवासी पार्टी के नाम से नई पार्टी का गठन किया था। आठ निर्दलीय प्रत्याशी जीते हैं। जिनमें से एक कांग्रेस का व सात भाजपा के बागी थे।

विधानसभा चुनाव से पहले अशोक गहलोत ने चौथी बार मुख्यमंत्री बनने के लिए पूरा जोर लगा दिया था। मगर कांग्रेस में चल रही आपसे गुटबाजी के चलते मतदाताओं ने कांग्रेस पार्टी को सिरे से ठुकरा दिया। विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री अशोक

गहलोत ही पार्टी के मुख्य चेहरे बने हुए थे। उन्हीं के चेहरे पर कांग्रेस ने चुनाव लड़ा था। पार्टी की सभी प्रचार सामग्री पोस्टर, बैनर, होर्डिंगों में अशोक गहलोत की छाए हुए थे। अशोक गहलोत द्वारा हायर की गई प्रचार कंपनी डिजाईन बाक्स व उसके बड़बोले निदेशक नरेश अरोड़ा भी चुनाव जितवाने में नाकाम रहे।

सचिन पायलट पूरे चुनाव में ही साइड लाइन रहे। टिकट वितरण के दौरान सचिन पायलट ने जिस तरह से गहलोत के सामने हथियार डाले दिए थे। उस पर बड़े-बड़े राजनीतिक विश्लेषकों को भी आश्चर्य हुआ। चुनाव से पहले सुचिता की बड़ी-बड़ी बातें करने वाले पायलट ने जिस तरह से गहलोत समर्थक शांति धारीवाल, प्रमोद जैन भाया जैसे विवादित लोगों को टिकट देने पर अपनी सहमति जताई उससे सभी अचंभित रह गए। लोगों का कहना था कि पायलट ने अपने समर्थक कुछ लोगों के टिकट क्लियर करवाने के चक्कर में गहलोत से अंदर खाने अघोषित समझौता कर लिया था। चुनाव में पायलट के कहने पर करीबन 40 लोगों को टिकट मिली जबकि गहलोत समर्थकों की संख्या 150 से भी ऊपर थी।

चुनाव से पहले गहलोत बार-बार कहते थे कि प्रदेश की जनता में सरकार के खिलाफ नकारात्मक माहौल नहीं है। जनता प्रदेश सरकार के कामों से खुश है। विधायकों को लेकर जनता में नाराजगी है। इसलिए हम बड़ी संख्या में नए लोगों को मैदान में उतरेंगे। मगर चुनाव आते-आते सारी बातें कागजों में ही रह गई और धड़ाधड़ बूढ़े व मौजूदा विधायकों को मैदान में उतार दिया गया। जिसका नतीजा कांग्रेस को करारी हार के रूप में देखना पड़ा।

अशोक गहलोत ने सबसे बड़ी गलती प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सामने खुद को चेहरा बना कर कर दी। राजस्थान में भाजपा ने किसी को भी चेहरा बनाकर चुनाव नहीं लड़ा था। भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे व कमल के फूल के निशान पर चुनाव लड़ा था। वहीं अशोक गहलोत ने सामूहिक नेतृत्व के स्थान पर खुद को ही आगे कर पूरी चुनावी व्यूह रचना की थी जिसमें वह नाकाम रहे। कई विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस को अपने बागी प्रत्याशियों की नाराजगी के चलते भी हार का सामना करना पड़ा है। समय रहते कांग्रेस पार्टी आंतरिक बगावत पर नियंत्रण नहीं कर पाई।

पार्टी के प्रदेश पर भारी सुखजिंदर सिंह रंधावा व तीनों सह प्रभारी का तो चुनाव के दौरान पता ही नहीं चला कि वो कहां रहे। राजस्थान में कांग्रेस को रसातल में पहुंचने में प्रभारी सुखजिंद्र रंधावा भी बहुत जिम्मेदार है। रंधावा का पूरा समय गहलोत सरकार की जी हुजूरी करते व लोगों को पदाधिकारी नियुक्त करने मे ही निकल गया और कांग्रेस पार्टी सत्ता से बाहर हो गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि रंधावा ने जिनको पदाधिकारी बनाया है उसमें खुलकर भ्रष्टाचार हुआ है।

पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को भाजपा से सीट व मत अधिक मिले थे। मगर इस बार कांग्रेस की सीटें घटने के साथ भाजपा की तुलना में मत भी कम हुए हैं। इस बार कांग्रेस को 39.53 प्रतिशत वहीं भाजपा को 41.69 प्रतिशत मत मिले हैं। बहुजन समाज पार्टी को 1.82 प्रतिशत वहीं हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को 2.39 प्रतिशत मत ही मिल पाए हैं। कांग्रेस पार्टी के प्रति जनता में इतनी अधिक नाराजगी थी की सरकार के 17 मंत्री सहित विधानसभा अध्यक्ष, सरकारी सचेतक तक चुनाव हार गए। यही नहीं अशोक गहलोत व सचिन पायलट के जीत का अंतर भी काफी कम हुआ है।

अशोक गहलोत ने चुनाव से पहले लोगों को सात गारंटी देकर वादा किया था कि फिर से सरकार बनने पर जनता को इन सात योजनाओं के तहत लाभ पहुंचाया जाएगा। मगर प्रदेश की जनता ने उनके वादों पर ध्यान ही नहीं दिया। मतदाताओं का कहना था कि पांच साल सत्ता में रहने के दौरान जो करना था कर दिया। अब सब चुनावी वायदे हैं। प्रदेश के किसानों का ना तो ऋण माफ हुआ ना ही बेरोजगारों को नौकरियां मिली। ऊपर से भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक होने से योग्य उम्मीदवारों का चयन होने से रह गया।

अशोक गहलोत का घमंड, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बड़बोले बयान व उनके रिश्तेदारों का प्रशासनिक अधिकारी पदों पर चयन होना, मंत्री सुभाष गर्ग का भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक करवाने में नाम आना, मंत्री धारीवाल का विधानसभा में महिलाओं के प्रति अशोभनीय वक्तव्य, खान मंत्री प्रमोद जैन भाया के खुलआम भ्रष्टाचार के कारनामे, राजेंद्र गुढ़ा का लाल डायरी प्रकरण, शांति धारीवाल, महेश जोशी, धर्मेंद्र राठौर द्वारा आलाकमान के निर्देशों की अवहेलना करने जैसे मुद्दे कांग्रेस की छवि खराब करने के लिए काफी थे।

कांग्रेस पार्टी को अब अगले लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू करनी चाहिए। पार्टी को संगठन में अध्यक्ष सहित आमूल चूल परिवर्तन करना होगा तथा विधायक दल के नेता के पद पर भी गैर विवादित विधायक का चयन करना होगा जो सभी को साथ लेकर चल सके। तभी जनता में अपनी खोई पैंठ फिर से स्थापित कर सकती है। वरना तो राजस्थान कांग्रेस की ओर अधिक दुर्गति होने से कोई नहीं रोक सकता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

मुख्यमंत्री का भूत

पूरन सरमा
व्यंग्यकार

मुख्यमंत्री का भूत सिर चढ़कर बोलता है। एक बार धुन सवार हो जाये कि मुख्यमंत्री बनना है और फिर नहीं बन पाओ तो यह और अधिक उग्र हो जाता है। विधायक दल की बैठक से पहले नाम आ जाता है पार्टी हाईकमान की ओर से। अनुशासन का डण्डा ऐसा चलता है कि बाद में बैठक होने पर विधायक थोपे गए नाम पर जोरों से ताली बजा देते हैं। इस तरह बनाया जाता है मिट्टी के माधो और चमचे को मुख्यमंत्री। प्रतिद्वंदी कहता है कि मतदान करवाओ तो उसे अनदेखा करके सनकी करार दिया जाता है।

मुख्यमंत्री का भूत जिसके भी सवार हुआ, वह घर का रहा न घाट का। ऐसे मुख्यमंत्री का क्या करें जो कमाऊ पूत न हो। पार्टी को बहुत पैसा चाहिए, जो पार्टी के लिए धन न कमा सके, उसका क्या करे पार्टी हाईकमान। वैसे पार्टियों में भी हाईकमान अब कोई एक नहीं होता अपितु अनेक हो गए हैं या कुछेक अपने को मानने लग जाते हैं। भाजपा में झांके तो एक साथ ग्यारह हाईकमान दिखाई देने लगते हैं। जो हाईकमान बूढ़े हो गए हैं, उन्हें रिटायर्ड मानकर चालू किस्म के चालबाज अपनी तूती बुलवा लेते हैं। उनका कहना है कि कोई भी चुनाव बिना पैसों के नहीं हो पाता, अतः मूल्यों की बात करने वाले सठिया गए हैं और वे पार्टी को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

मुख्यमंत्री का भूत मुख्यमंत्री बनने के बाद भी सिर चढ़कर बोलता है। वह ऐसा तुर्रम खां हो जाता है कि किसी की परवाह नहीं करता और मनमानी का ताण्डव करता है। बाद में हालांकि उसे वास्तविकता से सामना करना पड़ता है और वह पंद्रह साल के शासन के बाद धूल चाटता है। क्योंकि इधर लोकतंत्र में जनता जर्नादन होती है। जहाँ तक मुख्यमंत्री के भूत का सवाल है, वह कई बार उपमुख्यमंत्री बनकर भी शांत होते देखा गया हैं, मिली-जुली सरकारों में यह प्रयोग सफल रूप में सामने आया है। वैसे तो हर विधायक की तमन्ना होती है कि वह भी कभी मुख्यमंत्री बन जाये-लेकिन जब भूत रूप में यह दर्शन देता है तो बावेला मचाता है, असंतुष्ट बन जाता है और दिल्ली के बार-बार चक्कर काटना शुरू कर देता है। अपने पांच-सात समर्थक लेकर वह शपथ ग्रहण करने की मुद्रा में आ जाता है। इस चक्कर में जो राज्य का मुख्यमंत्री होता है, वह भी बचाव में बार-बार दिल्ली की भाग-दौड़ शुरू कर देता है और राज्य की व्यवस्था शनैः शनैः चौपट होने लगती है। परन्तु इसमें राज्य व्यवस्था की भला किसे चिंता होती है, क्योंकि मुख्यमंत्री का भूत होता ही ऐसा है।

जो एक बार मुख्यमंत्री बन गया, वह बार-बार इसी पर बने रहना चाहता है, लेकिन आजकल साल-छै महिने में मुख्यमंत्री बदलने का चलन और फैशन बढ़ा है, इसलिए यह बात अब लुप्तप्रायः हो गई है। यही वजह है कि भूत वाले मुख्यमंत्री अब परेशान से पाये जाते हैं। लोग याद नहीं रख पाते कि पांच वर्ष में अमुक राज्य में कितने मुख्यमंत्री रहे। इसके लिए विधानसभा सचिवालय ही सही जानकारी जुटा पाता है और इस तरह कभी पार्टी नेतृत्व परिवर्तन कर देती है तो कभी तख्ता पलट कार्यक्रम सम्पन्न हो जाता है।

मुख्यमंत्री का भूत जिस पर सवार होता है और वह मुख्यमंत्री बन जाता है तो वह अनाप-शनाप बकता है और एंग्रीमैन की भूमिका में हर किसी को कोसने लगता है। मुख्यमंत्री का भूत बड़ी ही खराब बीमारी है। जिसे हो जाए दिनभर शरीर में खुजली चलती है और रात में उसे नींद भी गोली लेने पर ही आती है। इसकी खुमारी कभी टूटने का नाम नहीं लेती और विधायक दिवा स्वप्न में भटकता जंगल-राज में विचरण करता रहता है।

नॉलेज कॉर्नर: क्रिसमस ट्री सिंड्रोम... इससे रहना पड़ेगा सतर्क

त्योहार का मौसम कर सकता है नाक में दम

क्रिसमस ट्री को सजाना त्योहारों के मौसम में हममें से कई लोगों के लिए एक प्रिय परंपरा है। वैसे कुछ लोग छुट्टियों की भावना का आनंद लेने के लिए पर्यावरण के अनुकूल तरीके के रूप में कृत्रिम पेड़ का उपयोग और पुन: उपयोग करना पसंद करते हैं, जबकि अन्य लोग ढेर सारे आभूषणों और उपहारों से सजाने के लिए असली पेड़ की तलाश करते हैं। लेकिन कुछ लोग जो असली पेड़ लेने का निर्णय करते हैं, उन्हें इसे सजाने के बाद ठंड जैसे लक्षणों का अनुभव होने लगता है। हालांकि कई लोग इन लक्षणों को केवल सर्दी - या यहां तक कि कोविड होने तक मान सकते हैं, लेकिन दरअसल इसके लिए क्रिसमस ट्री सिंड्रोम नामक एक अल्पज्ञात स्थिति जिम्मेदार हो सकती है।

एलर्जी कारकों से संपर्क घातक

क्रिसमस ट्री सिंड्रोम में क्रिसमस ट्री पर मौजूद एलर्जी कारकों के संपर्क से उत्पन्न होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं का एक समूह शामिल है। जो लोग एलर्जी के प्रति संवेदनशील हैं, उनके लिए लंबे समय तक असली क्रिसमस ट्री के संपर्क में रहने से श्वसन और त्वचा संबंधी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। क्रिसमस ट्री सिंड्रोम के मुख्य लक्षणों में बंद या बहती नाक, छींकें आना, आंखों में जलन, खांसी, घरघराहट और गले में खुजली शामिल हैं। अस्थमा वाले लोगों में इसके लक्षण खराब हो सकते हैं।

त्वचा संबंधी लक्षणों में लालिमा, सूजन और खुजली शामिल हो सकते हैं। इन पेड़ों के साथ पराग, एक कुख्यात आउटडोर एलर्जेन, हमारे घरों में प्रवेश कर सकता है, जबकि कवक ठंडे, नम क्रिसमस ट्री फार्मों और उद्यान केंद्रों में एक आरामदायक आश्रय ढूंढते हैं।

पेड़ पर हो सकती है फफूंद

क्रिसमस पेड़ों पर भी फफूंद लगी हो सकती है। विशेष रूप से, एक क्रिसमस ट्री फफूंद की 50 से अधिक प्रजातियों की मेजबानी कर सकता है, जो इन छोटे लेकिन संभावित रूप से परेशान करने वाले जीवों के लिए एक आवास बनाता है। पेड़ों पर पाई जाने वाली फफूंद की कई किस्में एलर्जी पैदा करने की सबसे अधिक संभावना रखती हैं, जिनमें एस्परगिलस, पेनिसिलियम और क्लैडोस्पोरियम शामिल हैं।

फफूंद बीजाणु की संख्या

शोधकर्ताओं के अनुसार जीवित क्रिसमस पेड़ों वाले कमरों में फफूंद बीजाणु की संख्या प्रति घन मीटर हवा में लगभग 800 बीजाणु होती है। हालांकि, चौथे दिन, बीजाणुओं की संख्या बढ़ने लगती है- अंततः दो सप्ताह के भीतर 5,000 बीजाणु प्रति घन मीटर तक पहुंच जाती है। फफूंदी गर्म, गीली और नम स्थितियों में सबसे अच्छी तरह बढ़ती है। इसलिए जब पेड़ को घर के अंदर लाया जाता है, तो गर्म जलवायु में फफूंदी का उत्पादन काफी बढ़ जाता है।

X

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री
@narendramodi
140 करोड़ भारतीयों ने दुनिया को दिखाया है कि जन-शक्ति विकास क्या होता है! हममें से प्रत्येक विकसित भारत बनने के सामूहिक प्रयासों में अभिन्न योगदानकर्ता है।

दीया कुमारी, बीजेपी सांसद, राजस्थान
@KumariDiya
आइए हम सब विकसित भारत एम्बेसडर बनें और राष्ट्र के उत्थान में अपना योगदान सुनिश्चित करें।

दिसंबर के तीसरे हफ्ते में होगी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) की मीटिंग तारीख का ऐलान शीघ्र

'इंडिया' की अगली बैठक के एजेंडे में शीर्ष पर होगा सीट बंटवारे का मुद्दा

एजेंसी | नई दिल्ली

विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) की अगली बैठक के एजंडे में अगले लोकसभा चुनाव के लिए घटक दलों के बीच सीटों के तालमेल का मुद्दा शीर्ष पर होगा। 'इंडिया' गठबंधन की अगली बैठक 17 से 20 दिसंबर के बीच होगी।

सूत्रों के मुताबिक, बैठक की तारीख अभी तय नहीं हुई है, लेकिन बैठक दिसंबर के तीसरे हफ्ते में होगी। 'इंडिया' गठबंधन के कई घटक विभिन्न राज्यों में सीट बंटवारे पर तेजी से निर्णय लेने के लिए दबाव डाल रहे हैं ताकि उम्मीदवारों को प्रचार के लिए पर्याप्त समय मिल सके और जमीनी स्तर पर स्थिति का आकलन किया जा सके।

इंडिया के 17 घटक दलों के संसदीय दल के नेताओं ने बुधवार को यहां बैठक की थी जिसमें संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र से जुड़े मुद्दों और 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आगे की रणनीति पर चर्चा की गई। कांग्रेस का कहना है कि गठबंधन के घटक दलों के प्रमुख नेताओं की बैठक की तारीख के बारे में एक-दो दिन में घोषणा की जाएगी। अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का मुकाबला करने के लिए 26 विपक्षी दलों ने 'इंडिया' गठबंधन बनाया है।

रालोद 'इंडिया' गठबंधन के साथ है और आगे भी रहेगा उसके साथ: महासचिव अहमद

मेरठ (उप्र)। राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के राष्ट्रीय महासचिव मेराजुद्दीन अहमद ने गुरुवार को मीडिया में आई उन खबरों का खंडन किया, जिसमें कहा गया है कि पार्टी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के साथ अपने गठजोड़ पर पुनर्विचार कर रही है। महासचिव ने जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी विपक्षी गठबंधन के साथ है और उसी के साथ रहेगी। अहमद ने कहा कि ये खबरें 'इंडिया' गठबंधन और रालोद की छवि खराब करने का एक प्रयास है। सच्चाई यह है कि रालोद, गठबंधन के साथ है और उसके साथ ही रहेगी। इस संबंध में अंतिम निर्णय केवल जयंत चौधरी करेंगे। दरअसल, बीते दिनों पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद, सोशल मीडिया पर वायरल पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शाहिद सिद्दीकी के बयान में कहा गया है कि जल्दी पार्टी की एक बैठक होगी, जिसमें यह यह विचार किया जाएगा कि 'इंडिया' गठबंधन में रहना है या नहीं।

तेलंगाना में कांग्रेस के पहले मुख्यमंत्री बने ए. रेवंत रेड्डी

सरकार लोगों के लिए 'सेवक' की तरह करेगी काम: रेड्डी

- सोनिया, खरगे, राहुल कार्यक्रम में हुए शामिल

मल्लू बी. विक्रमार्क ने डिप्टी सीएम की शपथ ली

एजेंसी | हैदराबाद

कांग्रेस विधायक दल के नेता ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को यहां एक समारोह में तेलंगाना के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इस दौरान सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे सहित कांग्रेस के शीर्ष नेता मौजूद थे। राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन ने यहां एलबी स्टेडियम में रेवंत रेड्डी और मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। रेवंत रेड्डी के अलावा, मल्लू बी. विक्रमार्क (उपमुख्यमंत्री), एन. उत्तम कुमार रेड्डी, कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, सी. दामोदर राजनरसिम्हा, डी. श्रीधर बाबू, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, पोन्नम प्रभाकर, कोंडा सुरेखा, डी. अनसूया, तुम्मला नागेश्वर राव और जुपल्ली कृष्णा राव ने मंत्री पद की शपथ ली।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी समेत पार्टी नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाद्रा और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू यहां एलबी स्टेडियम में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद रेवंत रेड्डी ने दो फाइल पर हस्ताक्षर किए। उनमें से एक कांग्रेस की छह चुनावी 'गारंटी' के कार्यान्वयन से संबंधित है और दूसरी फाइल रेवंत रेड्डी द्वारा अतीत में किए गए वादे के अनुसार एक दिव्यांग महिला को नौकरी प्रदान करने से जुड़ी है। कार्यक्रम के दौरान रेवंत रेड्डी ने अपनी पत्नी के साथ सोनिया गांधी का आशीर्वाद लिया। मंत्री पद की शपथ लेने के बाद, सोनिया ने सीथक्का और सुरेखा को गले लगाया।

शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए नए सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि 'इंदिरम्मा राज्यम' तेलंगाना के लोगों के लिए स्वतंत्रता, सामाजिक न्याय और विकास की शुरुआत करता है। रेड्डी ने यह भी कहा कि राज्य का विकास दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा करेगा और सरकार लोगों के लिए 'सेवक' की तरह काम करेगी न कि शासक की तरह।

'प्रगति भवन' का नाम बदलकर किया 'ज्योतिराव फुले प्रजा भवन'

मुख्यमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए, कहा कि मुख्यमंत्री के कैंप कार्यालय-सह-आधिकारिक आवास 'प्रगति भवन' के चारों ओर बैरिकेड और लोहे की बाड़ को हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का कैंप कार्यालय-सह-आधिकारिक आवास अब से सभी के लिए सुलभ होगा। 'प्रगति भवन' का नाम बदलकर 'ज्योतिराव फुले प्रजा भवन' करते हुए उन्होंने कहा कि आठ दिसंबर को पूर्वाह्न 10 बजे 'प्रजा दरबार' आयोजित किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 10 वर्षों के दौरान लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाया गया, जबकि कांग्रेस ने स्वतंत्रता, सामाजिक न्याय और समान विकास सुनिश्चित करने के लिए तेलंगाना का गठन किया था। रेड्डी ने यह भी आश्वासन दिया कि वह पिछले 10 वर्षों में कड़ी मेहनत करने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं का ध्यान रखेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार छात्रों और बेरोजगार युवाओं के साथ उन लोगों के परिवारों के साथ न्याय करेगी जिन्होंने तेलंगाना राज्य के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया।

कांग्रेस ने बीआरएस से छीन ली सत्ता

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी नेतृत्व ने दो दिन पहले रेवंत रेड्डी को कांग्रेस विधायक दल का नेता नामित किया था। राज्य की 119 सदस्यीय विधानसभा के लिए हुए चुनावों में कांग्रेस ने 64 सीटें जीतकर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से सत्ता छीन ली।

संसदीय दल की बैठक को मोदी ने किया संबोधित

सुशासन के लिए देश में BJP बनी लोगों की पसंदीदा पार्टी

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को चुनावी आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि भाजपा शासन के लिए लोगों की सबसे पसंदीदा पार्टी बन गई है क्योंकि सत्ता में रहते हुए चुनाव जीतने का उसका रिकॉर्ड कांग्रेस और अन्य दलों के मुकाबले काफी बेहतर है।

भाजपा संसदीय दल की बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने हालिया विधानसभा चुनावों में पार्टी की बड़ी जीत का श्रेय किसी नेता को नहीं, बल्कि 'टीम भावना' को दिया और कहा कि तीन राज्यों में जीत के अलावा तेलंगाना और मिजोरम में भी पार्टी की ताकत बढ़ी है। प्रधानमंत्री ने पार्टी के नेताओं से कहा कि वे जनता से संवाद के दौरान ऐसी भाषा का इस्तेमाल करें जो वे पसंद करते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि उन्हें 'मोदी जी की गारंटी' के बजाय 'मोदी की गारंटी' का इस्तेमाल करना चाहिए।

पीएम ने दोहराया कि उनके लिए चार सबसे बड़ी 'जातियां' गरीब, युवा, महिलाएं और किसान हैं और पार्टी नेताओं को उनके विकास के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' में हिस्सा लेने को कहा जिसका उद्देश्य विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आखिरी व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि हम लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना जारी रखेंगे और गरीबों, दलितों और वंचितों को सशक्त बनाएंगे।

पीएम का किया स्वागत

संसदीय दल की बैठक में हाल में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में पार्टी के शानदार प्रदर्शन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जोरदार स्वागत किया गया। इस बैठक में प्रधानमंत्री के पहुंचते ही भाजपा सांसदों ने खड़े होकर तालियां बजाईं और 'स्वागत है भाई स्वागत है, मोदी जी का स्वागत है' के नारे लगाए। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच प्रधानमंत्री को माला पहनाकर उनका स्वागत किया। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल सहित कई केंद्रीय मंत्री और पार्टी के सांसद मौजूद थे।

क्षेत्रीय दलों ने किया कांग्रेस से बेहतर प्रदर्शन

पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा के लिए यह आंकड़ा 39 बार में 22 है, यानी सफलता दर 56 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस से बेहतर प्रदर्शन किया है, लेकिन वे भाजपा से बेहतर नहीं कर सके क्योंकि उन्होंने सत्ता में रहते हुए 36 में से 18 बार जीत हासिल की और उनकी सफलता दर 50 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि यह दिखाता है कि भाजपा सरकार चलाने के लिए सबसे पसंदीदा पार्टी है।

ममता बनर्जी पर केंद्रीय मंत्री की टिप्पणी से नाराजगी

तृणमूल महिला सांसदों का प्रदर्शन

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह के पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को निशाना बनाकर दिए गए कथित आपत्तिजनक बयान के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस की महिला सांसदों ने गुरुवार को संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया। तृणमूल की महिला सांसदों ने संसद भवन परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने प्रदर्शन किया। उनके हाथों में तख्तियां थीं जिनमें गिरिराज सिंह को बर्खास्त करने की मांग की गई थी। तृणमूल की लोकसभा सदस्य महुआ मोइत्रा ने कहा कि हमने कल बयान सुना जो पूरी तरह शर्मनाक, नारी विरोधी और पितृ सत्तात्मक था। केंद्रीय मंत्री देश की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री पर टिप्पणी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि क्या इस तरह की भाषा का इस्तेमाल होना चाहिए। भाजपा और उसके मंत्रियों के साथ यही समस्या है। तृणमूल कांग्रेस के अनेक नेताओं ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कोलकाता अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में शामिल होने पर उनके खिलाफ की गई टिप्पणी को लेकर गिरिराज सिंह की आलोचना की।

'सियासी दल सिर्फ प्रेम का प्रचार करें, नफरत का नहीं'

लखनऊ। मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने सांप्रदायिकता को देश की बर्बादी की पहली सीढ़ी करार देते हुए राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि वे सिर्फ प्रेम और भाईचारे का प्रचार करें, नफरत का नहीं। मौलाना मदनी ने आरोप लगाया कि जो लोग प्यार-मोहब्बत की जगह नफरत के बीज हो रहे हैं वे सिर्फ सत्ता पर कब्जा करने के लिए अपनी गोटियां खेल रहे हैं। मुस्लिम नेता ने कथित 'लव जिहाद' का जिक्र करते हुए मुस्लिम लड़कियों के लिए ज्यादा से ज्यादा संख्या में अलग स्कूल खोलने की फिर से पुरजोर वकालत की।

केरल के मुख्यमंत्री बोले-राज्यपाल अपने कर्तव्य का नहीं कर रहे निर्वहन

सीएम-राज्यपाल के बीच जुबानी जंग तेज

एजेंसी | कोच्चि

केरल सरकार और राज्यपाल के बीच जारी जुबानी जंग गुरुवार को उस समय और तेज हो गई, जब मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन ने आरोप लगाया कि राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान अपने कर्तव्यों का निर्वहन नहीं कर रहे हैं। विजयन ने एक दिन पहले खान द्वारा दिए गए कुछ बयानों के बारे में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि अगर राज्यपाल 'संघ परिवार का अनुसरण करने वाले' हैं तो उन्हें इस बात से कोई समस्या नहीं है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्यपाल को राज्यपाल के रूप में कार्य करना होगा। वह वर्तमान में राज्यपाल के कर्तव्यों का निर्वहन नहीं कर रहे हैं।

राज्यपाल ने बुधवार को कहा था कि वह राज्य सरकार की सलाह के लिए तैयार हैं, लेकिन इसके दबाव में नहीं आएंगे। खान ने राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति के संदर्भ में यह बात कही थी। राज्यपाल ने यह भी कहा था कि अगर राज्य सरकार किसी विधेयक या अध्यादेश के संबंध में तत्काल कार्रवाई चाहती है तो उसे राजभवन आना चाहिए और उन्हें (खान) स्पष्टीकरण देना चाहिए। उन्होंने विजयन से यह सुनिश्चित करने के लिए भी कहा कि माकपा के सदस्य और समर्थक पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को 'आजाद कश्मीर' कहने से बचें और 'अलगाववाद और क्षेत्रवाद की आग न भड़काएं।'

खान ने सरकार द्वारा उनकी मंजूरी के लिए भेजे गए दो अध्यादेशों पर हस्ताक्षर नहीं करने के बारे में मीडिया रिपोर्ट के जवाब में ये टिप्पणियां कीं। अध्यादेश के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर राज्यपाल को उनसे कुछ कहना है तो उन्हें मीडिया के माध्यम से नहीं बल्कि सीधे बात करनी चाहिए।

मध्य प्रदेश के नवनिर्वाचित विधायकों का रिपोर्ट कार्ड

205 MLA करोड़पति, टॉप पर भाजपा MLA, कमलनाथ को छोड़ा पीछे

एजेंसी | भोपाल

मध्य प्रदेश में नवनिर्वाचित 230 विधायकों में से 205 करोड़पति हैं और 296 करोड़ रुपए की घोषित संपत्ति के साथ रतलाम से भाजपा विधायक चेतन्य काश्यप पहले स्थान पर हैं, जबकि कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष कमलनाथ 134 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति के साथ तीसरे सबसे अमीर विधायक हैं।

मध्य प्रदेश के विधायकों की औसत संपत्ति 11.77 करोड़ रुपए है। 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) की रिपोर्ट के अनुसार, भाजपा के ही संजय सत्येंद्र पाठक (विजयराघवगढ़) 242 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इसमें कहा गया है कि एक करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति रखने वाले विधायकों की संख्या 2018 में 187 से बढ़कर 2023 में 205 हो गई। इनमें से 144 भाजपा और 61 कांग्रेस से हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, 205 करोड़पति विधायकों में से 102 विधायकों ने पांच करोड़ रुपए और उससे अधिक की संपत्ति घोषित की है।

कम से कम 71 विधायकों ने दो करोड़ रुपए से पांच करोड़ रुपए के बीच संपत्ति घोषित की है। इसके अलावा, 48 विधायकों ने 50 लाख रुपए से दो करोड़ रुपए के बीच संपत्ति घोषित की है, जबकि निर्वाचित विधायकों में से नौ के पास 50 लाख रुपए से कम की संपत्ति है। नवनिर्वाचित विधायकों की औसत संपत्ति 11.77 करोड़ रुपए है, जो 2018 में 10.17 करोड़ रुपए थी।

तीन विधायकों की सबसे कम संपत्ति

भारत आदिवासी पार्टी के विजयी उम्मीदवार कमलेश डोडियार सबसे कम संपत्ति वाले विधायकों में सबसे आगे हैं। डोडियार ने 18 लाख रुपए की संपत्ति घोषित की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सबसे कम संपत्ति वाले दो अन्य उम्मीदवारों में भाजपा के संतोष वरकड़े (सिहोरा) की कुल संपत्ति 25 लाख रुपए और भाजपा की ही कंचन मुकेश तनवे (खंडवा) की कुल संपत्ति 26 लाख रुपए है।

इन पर सबसे ज्यादा देनदारी

एडीआर ने कहा कि सर्वाधिक देनदारी वाले उम्मीदवारों में भाजपा के पूर्व मंत्री सुरेंद्र पटवा (भोजपुर) 57 करोड़ रुपए के कर्ज के साथ सबसे आगे हैं, कांग्रेस के दिनेश जैन (महिदपुर) 30 करोड़ रुपए के साथ दूसरे स्थान पर और भाजपा के भूपेंद्र सिंह (खुरई) 23 करोड़ रुपए के कर्ज के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

90 विधायकों पर आपराधिक मामले

भोपाल। मध्य प्रदेश में नवनिर्वाचित 230 विधायकों में से 90 पर आपराधिक मामले चल रहे हैं। इनमें से 34 पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिसके अन्य मानदंडों के अलावा अधिकतम पांच साल की सजा का प्रावधान है। इन विधायकों ने नामांकन भरते समय हलफनामे में अपने खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले घोषित किए थे। एक गैर लाभकारी संगठन 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' के अनुसार, 2018 के चुनाव में 94 विधायक ऐसे थे, जिन्होंने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की थी। एडीआर की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में यह संख्या घटकर 90 रह गई है। यह भी बताया कि इनमें से 34 विधायकों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि 2018 में ऐसे विधायकों की संख्या 47 थी। एडीआर ने कहा कि भाजपा के 163 में से 51 विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से 16 पर गंभीर मामले दर्ज हैं।

2018 के मुकाबले भाजपा की ज्यादा सीटें

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों में भाजपा ने 2018 की 109 सीट की तुलना में इस बार 163 सीट हासिल की, जबकि कांग्रेस 2018 जीती 114 सीट की तुलना में इस बार 66 पर सिमट गई। इसके अलावा, भारत आदिवासी पार्टी एक सीट जीतने में सफल रही।

जरूरी खबर

कश्मीर में रात का पारा उतरा जमाव बिंदु से नीचे

श्रीनगर। घाटी में ठंड बढ़ने के कारण कश्मीर में न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु से नीचे पहुंच गया है। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात के तापमान से दो डिग्री सेल्सियस कम था। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से 4.9 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। बारामूला जिले के गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 2.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया वहीं काजीगुंड में न्यूनतम तापमान शून्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

रेप के दो दोषियों को 25-25 वर्ष का कारावास

प्रतापगढ़ (उप्र)। प्रतापगढ़ जिले की अपर जिला एवं सत्र अदालत ने एक किशोरी से दुष्कर्म के मामले में दो लोगों को दोषी करार देते हुए 25-25 साल की कैद और जुर्माने की सजा सुनाई है। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता प्रदीप कुमार पांडेय ने बताया कि 23 जुलाई, 2021 की सुबह 15 वर्षीय लड़की घर से लापता हो गई थी। तलाश करने पर पता चला कि लड़की को अजय और कर्म सिंह नामक व्यक्ति बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए। बाद में पुलिस ने दबिश देकर किशोरी को उनके चंगुल से मुक्त करा लिया। लड़की ने अपने बयान में कहा था कि घटना वाले दिन अजय और कर्म सिंह उसे जान से मारने की धमकी देकर जबरन अपने साथ ले गए थे और उसे एक स्थान पर छह महीने तक रखा। इस दौरान अजय ने उसके साथ दुष्कर्म किया, जिससे वह गर्भवती हो गई। इस कृत्य में कर्म सिंह ने अजय की मदद की।

आतंकी हमले में घायल एसआई वानी की मौत

नई दिल्ली। श्रीनगर में अक्टूबर में लश्कर-ए-तैयबा के एक आतंकवादी के गोली मारने से गंभीर रूप से घायल हुए पुलिस निरीक्षक मसरूर अहमद वानी की गुरुवार को यहां एम्स में मृत्यु हो गई। वानी के परिवार में उनकी पत्नी हैं, जो गर्भवती हैं। साथ ही, वानी के परिवार में उनके पिता, मां, भाई और बहन भी हैं। वानी को बचाया नहीं जा सका और चोटों के चलते उन्होंने दम तोड़ दिया। वानी के पिता एक सेवानिवृत्त पुलिस उप निरीक्षक हैं।

बाढ़ प्रभावित इलाकों का रक्षा मंत्री ने किया हवाई सर्वेक्षण

चेन्नई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को बाढ़ प्रभावित उत्तरी तमिलनाडु का हवाई सर्वेक्षण किया तथा चक्रवात 'मिगजॉम' के कारण हुए नुकसान पर मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के साथ बातचीत की। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को चक्रवात राहत के लिए तमिलनाडु को दूसरी किस्त के रूप में 450 करोड़ रुपए जारी करने का निर्देश दिया है। बाढ़ से प्रभावित चेन्नई के इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद राजनाथ सिंह ने यहां सचिवालय में स्टालिन से मुलाकात की।

चेन्नई में बाढ़ से बिगड़े हालात, 20 हजार सड़कें अभी भी जलमग्न

__चेन्नई।__ चक्रवात 'मिगजॉम' के कारण मूसलाधार बारिश होने के कुछ दिनों बाद गुरुवार को चेन्नई के कुछ हिस्सों और आसपास के जिलों के उपनगरों में पानी भर गया, जिससे महानगर और इसके आसपास के इलाकों में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। चक्रवात 'मिगजॉम' मंगलवार को आंध्र प्रदेश में तट को पार कर गया और चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेंगलपेट को इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। बाढ़ की वजह से 20 हजार सड़कें अभी भी जलमग्न है। चक्रवात के प्रभाव से चार दिसंबर को इन चार जिलों में भारी बारिश हुई। सरकार ने कहा कि राहत गतिविधियां तेज कर दी गई हैं और चेन्नई में विभिन्न स्थानों पर जमा पानी को बाहर निकालने के प्रयास जारी हैं। वेलाचेरी और पश्चिम तांबरम के कुछ हिस्सों में गुरुवार को भी जलभराव हो गया, यहां पल्लीकरनई क्षेत्र में खाद्यान्न के पैकेट हवाई जहाज से गिराए गए। उत्तरी चेन्नई का मनाली गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्रों में से एक था। मनाली में लगभग 15,000 लोगों के लिए पीने का पानी, 12,000 लीटर दूध, दूध पाउडर, चादर और खाद्य सामग्री भेजी गई है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने चेन्नई के पास अनाकापुथुर इलाके का दौरा किया और वहां जारी राहत कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने प्रभावित लोगों को भोजन भी वितरित किया।

चक्रवात से हजारों एकड़ की फसल बर्बाद

अमरावती। चक्रवात 'मिगजॉम' ने आंध्र प्रदेश में हजारों एकड़ की फसलों को तबाह कर दिया। इससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। राज्य सरकार ने मुआवजा देने का आश्वासन दिया है, लेकिन पट्टे पर ली गई जमीन पर खेती करने वाले किसानों को राहत मिलने की उम्मीद नहीं है, क्योंकि उन्हें लगता है कि यह मुआवजा शायद उन तक न पहुंचे। नेल्लोर जिला प्रशासन द्वारा साझा की गई सूचना के अनुसार, 8,400 एकड़ से अधिक की कृषि फसल और 1,700 एकड़ की बागवानी फसल नष्ट हो गई है। राज्य में फसलों के नुकसान का आकलन अभी किया जाना बाकी है। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी एक नोट में कहा गया है कि बारिश का पानी कम होने के बाद कृषि और बागवानी नुकसान का आकलन किया जाएगा।

ओडिशा तट के अब्दुल कलाम द्वीप से किया परीक्षण

बैलेस्टिक मिसाइल 'अग्नि-1' का किया सफल अभ्यास-परीक्षण

एजेंसी | बालासोर (ओडिशा)

भारत ने कम दूरी की बैलेस्टिक मिसाइल 'अग्नि-1' का गुरुवार को ओडिशा तट के अब्दुल कलाम द्वीप से सफलतापूर्वक अभ्यास परीक्षण किया। रक्षा विभाग से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि अग्नि-1 एक अत्यंत सटीक मिसाइल प्रणाली है। स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड के तत्वावधान में किए गए उपयोगकर्ता अभ्यास प्रक्षेपण परिचालन संबंधी और तकनीकी मापदंडों पर खरा उतरा। इससे पहले एक जून को इस केंद्र से मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया था।

रक्षा मंत्रालय की जानकारी के मुताबिक ओडिशा के एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-1' का प्रशिक्षण प्रक्षेपण सफलता से किया गया। अग्नि-1 मिसाइल की मारक क्षमता 700 किमी तक की है और यह 1000 किलोग्राम परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। 'अग्नि-1' मिसाइल को उन्नत सिस्टम प्रयोगशाला ने रक्षा अनुसंधान विकास प्रयोगशाला और रिसर्च सेंटर इमरात के साथ मिलकर विकसित किया है।

डीआरडीओ अधिकारी ने बताया है कि 'अग्नि-1' एक सिद्ध उच्च परिशुद्धता वाली मिसाइल प्रणाली है। सामरिक बल कमान के तत्वावधान में किए गए उपयोगकर्ता प्रशिक्षण लॉन्च ने सभी परिचालन और तकनीकी मापदंडों को सफलतापूर्वक मान्य किया है। इस मिसाइल की मारक क्षमता 700 से 2500 किमी है। ये मिसाइल 15 मीटर लंबी और 12 तन वजनी है।

मिसाइल 1000 किलो तक के पारंपरिक परमाणु हथियार और क्लस्टर एम्युनेशन ले जाने में सक्षम है।

700 किलोमीटर की मारक क्षमता

12 टन भार है मिसाइल 'अग्नि-1' का

1000 किलो परमाणु हथियार ले जा सकती है

मोबाइल लॉन्चरों से किया जा सकता है लॉन्च

मिसाइल को मोबाइल लॉन्चरों से लॉन्च किया जा सकता है। इस मिसाइल का पहला परीक्षण 25 जनवरी, 2002 को किया गया था। भारतीय सेना के स्ट्रेजिक कमॉड फोर्स के तहत ये मिसाइल सिस्टम आती है। इससे पहले भी कम दूरी तक मार करने वाली परमाणु सक्षम बैलेस्टिक मिसाइल अग्नि-1 से लेकर अग्नि-5 तक मिसाइलों का सफलतापूर्वक परीक्षण किया जा चुका है, जिसकी मारक क्षमता 750 किमी से लेकर 3500 किमी तक है।

मिसाइल भारत की रक्षा में निभा सकती है महत्वपूर्ण भूमिका

पिछले साल अग्नि-5 मिसाइल का भी सफल परीक्षण किया गया था, जिसकी मारक क्षमता पांच हजार किमी थी। यह मिसाइल एक शक्तिशाली हथियार है जो भारत की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यह मिसाइल भारत को अपने दुश्मनों के खिलाफ एक मजबूत प्रतिरोध प्रदान करती है। अग्नि-1 मिसाइल एक ऐसी मिसाइल है जो 700 किमी दूर तक के लक्ष्य को परमाणु बम से मार सकती है।

मई 1989 में किया था पहली बार परीक्षण

अग्नि-1 का पहली बार परीक्षण मई 1989 में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम (आईजीएमडीपी) के तहत किया गया था। अग्नि-1 पारंपरिक और परमाणु दोनों प्रकार के 1000 किलोग्राम से अधिक के पेलोड के साथ 700 से 900 किलोमीटर से अधिक की दूरी पर दुश्मन के ठिकानों को नष्ट कर सकता है।

विदेश मंत्रालय प्रवक्ता बागची ने कहा...

मौत की सजा पाए 8 पूर्व नौसैनिकों से मिले भारतीय राजदूत

एजेंसी | नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि कतर में भारतीय राजदूत ने तीन दिसंबर को नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों से मुलाकात की, जिन्हें अक्टूबर में वहां एक अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि मौत की सजा के खिलाफ अपील पर दो सुनवाई पहले ही हो चुकी है। बागची ने कहा कि हम मामले पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। हमारे राजदूत को तीन दिसंबर को जेल में उन सभी आठ लोगों से मिलने दिया गया। भारतीय नागरिकों को पहले भी राजनयिक सहायता प्रदान की गई थी। नौसेना के पूर्व कर्मियों को 26 अक्टूबर को कतर की एक अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी। भारत ने फैसले को 'चौंकाने' वाला करार देते हुए मामले में सभी कानूनी विकल्प तलाशने की प्रतिबद्धता जताई है।

मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाने के इल्जाम से 'अब बरी हो चुका है' बाबर : अरशद मदनी

लखनऊ। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने गुरुवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय ने अयोध्या मामले के अपने निर्णय में यह स्वीकार किया है कि राम मंदिर तोड़कर बाबरी मस्जिद नहीं बनाई गई थी, लिहाजा मुगल बादशाह बाबर 'खुद पर लगे इल्जाम से बरी हो चुका है।' मौलाना मदनी ने यहां जमीयत की 37 जिला इकाइयों के पदाधिकारियों के सम्मेलन से इतर संवाददाताओं से बातचीत में एक सवाल के जवाब में कहा, "हम कहते थे कि जो मस्जिद मंदिर तोड़कर बनाई जाएगी, वह मस्जिद इस्लाम में नहीं मानी जाएगी। जो मैं कहता था, उच्चतम न्यायालय ने भी वही कहा कि मस्जिद अपनी जगह है। राम मंदिर को तोड़कर मस्जिद नहीं बनाई गई थी। उन्होंने कहा कि जो इल्जाम बाबर के ऊपर लगता था आज वही इल्जाम मौजूदा लोगों पर लग रहा है कि उन्होंने मस्जिद को लेकर उस पर मंदिर बना दिया।

दिल्ली उच्च न्यायालय

'शिवलिंग पर बिच्छू' संबंधी टिप्पणी केस में थरूर को दिया आखिरी मौका

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को कांग्रेस सांसद शशि थरूर को उस याचिका पर दलीलें पेश करने का अंतिम मौका दिया जिसमें उन्होंने 'शिवलिंग पर बिच्छू' वाली उनकी कथित टिप्पणी को लेकर भाजपा नेता की शिकायत पर अपने खिलाफ शुरू की गई मानहानि की कार्यवाही को चुनौती दी है। थरूर द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाते हुए कथित तौर पर 'शिवलिंग पर बिच्छू' वाली टिप्पणी की थी।

न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने थरूर के वकील के अनुरोध पर मामले को 15 मार्च, 2024 तक के लिए स्थगित कर दिया और उनसे लिखित दलीलें प्रस्तुत करने को कहा। हालांकि, अदालत ने यह स्पष्ट कर दिया कि यदि सुनवाई की अगली तारीख पर मामले पर बहस नहीं हुई तो याचिका पर लिखित दलीलों के आधार पर फैसला किया जाएगा। उच्च न्यायालय ने 16 अक्टूबर, 2020 को मानहानि की शिकायत पर थरूर के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगा दी थी।

निचली अदालत द्वारा जारी समन को चुनौती देने वाली थरूर की याचिका पर शिकायतकर्ता राजीव बब्बर से जवाब मांगा था। थरूर ने निचली अदालत के 27 अप्रैल, 2019 के आदेश को रद्द करने का अनुरोध किया, जिसके द्वारा उन्हें आपराधिक मानहानि शिकायत में आरोपी के रूप में समन किया गया था। उन्होंने दो नवंबर, 2018 की शिकायत को भी रद्द करने की मांग की थी। थरूर के वकील ने दलील दी थी कि निचली अदालत का आदेश कानून की दृष्टि से असंगत था और आपराधिक न्यायशास्त्र के स्थापित सिद्धांतों के खिलाफ था।

क्या था मामला

शिकायतकर्ता राजीव बब्बर ने दावा किया था कि कांग्रेस नेता की टिप्पणियों से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। थरूर ने अक्टूबर 2018 में कथित तौर पर दावा किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक अज्ञात नेता ने प्रधानमंत्री मोदी की तुलना 'शिवलिंग पर बैठे बिच्छू' से की थी और इसे एक 'रूपक' बताया था। शिकायतकर्ता ने कहा था, 'मैं भगवान शिव का भक्त हूं...हालांकि, आरोपी (थरूर) ने करोड़ों शिव भक्तों की भावनाओं की पूरी तरह से अनदेखी की, (और) बयान दिया जिससे भारत में और देश के बाहर सभी शिव भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंची। शिकायत भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 499 (मानहानि) और 500 (मानहानि की सजा) के तहत दर्ज की गई थी। थरूर को जून 2019 में निचली अदालत ने मामले में जमानत दे दी थी।

ज्ञानवापी मस्जिद मामले में आज भी होगी सुनवाई

प्रयागराज। ज्ञानवापी मस्जिद मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में सुनवाई शुक्रवार को भी जारी रहेगी। वाराणसी स्थित ज्ञानवापी मस्जिद का प्रबंधन करने वाली अंजुमन इंतेजामिया कमेटी ने इस मस्जिद के स्थान पर मंदिर बहाल करने की मांग वाले वाद की पोषणीयता को चुनौती देते हुए यह याचिका दायर की है। गुरुवार को संबद्ध पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने इस मामले में सुनवाई शुक्रवार के लिए टाल दी। इससे पूर्व, तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश प्रीतिंकर दिवाकर ने 28 अगस्त, 2023 को पारित आदेश के तहत इस मामले को न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया से स्वयं के लिए यह कहते हुए स्थानांतरित कर दिया था कि रोस्टर के मुताबिक, इस मामले पर सुनवाई उनके (प्रकाश पाडिया के) न्यायिक क्षेत्र में नहीं था, उन्होंने दो वर्षों से अधिक समय तक इस पर सुनवाई की। मुख्य न्यायाधीश ने आगे कहा था कि एकल न्यायाधीश से इस मामले को लेकर मुख्य न्यायाधीश की अदालत में भेजने का निर्णय न्यायिक संपत्ति, न्यायिक अनुशासन और पारदर्शिता के हित में प्रशासनिक स्तर पर किया गया था। मुख्य न्यायाधीश 22 नवंबर 2023 को सेवानिवृत्त हो गए और उनकी सेवानिवृत्ति के बाद आज इस मामले को न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल के समक्ष सूचीबद्ध किया गया था। अंजुमन इंतेजामिया कमेटी के वकील एसएफए नकवी के मुताबिक, इस याचिका में ज्ञानवापी मस्जिद का एक समग्र सर्वेक्षण करने का भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को दिए गए निर्देश को भी चुनौती दी गई है।

भट्टारकजी की नसिया में विश्व जैन संगठन जयपुर ब्रांच की विशेष सभा

तीर्थों के संरक्षण के लिए एक मंच पर आया देशभर का जैन समाज

फोटो: पंकज शर्मा

बेधड़क. जयपुर। देशभर का जैन समाज जयपुर के मंच पर आया और चर्चा करते हुए समाज को हो रही परेशानियों पर बात की। इसके लिए भट्टारकजी की जैन नसिया में विश्व जैन संगठन जयपुर ब्रांच की ओर से विशेष सभा का आयोजन किया गया, जिसमें संगठन से जुड़े समस्त पदाधिकारी और विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी सम्मिलित हुए और जैन तीर्थो और जैन धर्म के संरक्षण को लेकर 17 दिसंबर से नई दिल्ली के रामलीला मैदान पर देशव्यापी जैन तीर्थ बचाओ धर्म बचाओ कार्यक्रम के लिए समाज से शामिल होने का आह्वान किया। सभा को विश्व जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन दिल्ली ने संबोधित किया।

गिरनार की सबसे ऊंची 5वीं चोटी

राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन ने कहा कि गुजरात में गिरनार की सबसे ऊंची 5वीं चोटी उर्जयंत पर 22वें तीर्थंकर नेमिनाथ मोक्षस्थल पर वर्ष 2004 में अवैध निर्माण और अतिक्रमण कर जैन समाज के साथ दुर्व्यवहार किया। समाज को डराने, जैन साधुओं के सर धड़ से अलग करने की धमकियां देने, जैन समाज को बदनाम करने और दो समुदायों को झूठे व बेबुनियाद तथ्यों पर आपस में लड़ाने के विरुद्ध संगठन 3 नवंबर को गुजरात सरकार को प्रेषित याचिका पर कार्यवाही न किए जाने और उड़ीसा की खंडगिरी उदयगिरि में कलिंग जैन राजा खारवेल गुफा व महाराष्ट्र में अंजनेरी की जैन गुफा से अवैध अतिक्रमण हटाकर संरक्षित कराने के लिए 17 दिसंबर से जुटने की बात की। शाखा जयपुर अध्यक्ष बाबू लाल जैन ने बताया कि यदुवंशी क्षत्रिय कृष्णजी के चचेरे भाई 22वें जैन तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ मोक्षस्थल गिरनार पर जैन समाज सदैव पूजा दर्शन करता आया। प्रशासन की लापरवाही से 5वीं टोंक पर जैन यात्रियों सहित सभी को सुरक्षित दर्शन किए जाने के गुजरात हाई कोर्ट के 2005 के आदेश की अवहेलना दुखद है।

बैठक में ये हुए शामिल

सभा में जैन समाज अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा महामंत्री अधिवक्ता हेमंत सोगानी, जयपुर नगर निगम हेरिटेज पार्षद पारस जैन, तीर्थ क्षेत्र कमेटी पदाधिकारी रविन्द्र बज, दिगंबर जैन सोश्यल ग्रुप फैडरेशन राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अतुल बिलाला, अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू, राजस्थान जैन सभा महामंत्री मनीष वैध, युवा महासभा महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, जैन बैंकर्स फोरम अध्यक्ष भागचंद जैन, जैन पत्रकार संघ से अखिल बंसल, दिगंबर जैन महासभा महामंत्री महावीर बाकलीवाल, प्रमोद बाकलीवाल, कमलेश जैन, अशोक जैन गुड्डा, नरेश कासलीवाल, लोकेश जैन, रवि जैन, अभिषेक सांघी, राखी जैन, डॉ. हिमांशु जैन सहित विभिन्न लोग शामिल रहे। दिल्ली में जयपुर सहित प्रदेश के सभी 50 जिलों से जैन श्रावक और श्राविकाएं जैन तीर्थ बचाओ, धर्म बचाओ आंदोलन में सम्मिलित होंगे।

स्वरांजलि में बनारस शैली से मुग्ध हुए कला प्रेमी

बेधड़क. जयपुर। राजस्थान संगीत संस्थान संगीत व्याख्यान प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन स्वरांजलि के तहत सितार, वॉयलिन व वादन विभाग से किया गया। पं. हिमांशु महंत ने तीन ताल में बनारस घराने की शैली में सर्वप्रथम उठान के बाद ठेके के विस्तार के रूप में आलाप, जोड़ और झाला बजाया। इसके बाद परन, रेले, चाले लयकारी, भारतीय संगीत की 5 जातियों में 4 से 16 मात्रा तक की लयकारी व उसके बाद मध्यलय में पारंपरिक बंदिश और बोलमाला प्रस्तुत की। बनारस घराने की प्राचीन बंदिश पिता की बेदम चक्रधर रचना को बजाकर सुनाया। अंत में प्रयोग धर्मिता का निर्वाह किया। लय-ताल का आदान-प्रदान हुआ। वादन में बताया कि तबले में विज्ञान और गणित के आधार पर ही चमत्कार पूर्ण प्रस्तुति संभव है। अंत में बनारस घराने की लग्गी लड़ियों आदि को सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में प्रो. सुनीता श्रीमाली, प्रो. विजयेन्द्र गौत्तम, प्रो. सीमा सक्सेना, डॉ. गौरव जैन व अन्य उपस्थित थे।

आयुर्वेद में अनुसंधान की सीमाओं पर व्याख्यान

बेधड़क. जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विश्वविद्यालय जयपुर में आयुर्वेद में अनुसंधान की सीमाओं और चुनौतियों पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष-निदेशक आयुर्वेद प्वाइंट मिलान इटली के डॉ. एंटोनियो मोरांडी ने आयुर्वेदिक अवधारणाओं के गहन विश्लेषण और आधुनिक परिप्रेक्ष्य में व्याख्या पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम में प्रतिकुलपति प्रो. राम किशोर जोशी, प्रो. संजय अग्रवाल, डॉ. गोपेश मंगल, संस्थान के विभिन्न विभागों के संकाय सदस्यों, पीएचडी और पीजी विद्वानों ने भाग लिया। प्रो. संजय अग्रवाल ने स्वागत भाषण दिया ओर आयुर्वेद के क्षेत्र में अनुसंधान से संबंधित जानकारी दी।

City इवेंट्स

महावीर स्वामी के तप कल्याणक महोत्सव पर धार्मिक आयोजन

बेधड़क, जयपुर। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के तप कल्याणक महोत्सव पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा-अर्चना के आयोजन हुए। अभादि जैन परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य व प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि सुबह भगवान महावीर स्वामी के अभिषेक के बाद विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए शांतिधारा की गई। इसके बाद भगवान महावीर की अष्ट द्रव्य से पूजा-अर्चना की हुई और पूजा के दौरान मंगसिर असित मनोहर दशमी ता दिन तप आचरना। नृप कुमार घर पारन कीनो मै पूजों तुम चरना।। मोहि राखो हो सरना श्री वर्धमान जिन राय जी।। का सामूहिक उच्चारण करते हुए मंत्रोच्चार के साथ तप कल्याणक अर्घ्य चढ़ाया गया। सांगानेर के श्रीदिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर, बगरू के श्रीआदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, चित्रकूट कॉलोनी सांगानेर के श्रीमहावीर दिगम्बर जैन मंदिर, गोपालजी का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर महावीर स्वामी (काला डेरा), आगरा रोड स्थित श्रीपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी, सिद्धार्थ नगर के श्रीदिगम्बर जैन मंदिर महावीर स्वामी खण्डाकान, मोती सिंह भोमियों का रास्ता स्थित श्रीदिगम्बर जैन मंदिर चौबीस महाराज सहित कई मंदिरों महोत्सव मनाया गया।

श्रमण परंपरा से दिन में शादी

बेधड़क, जयपुर। जनकपुरी निवासी सोभाग मल पाटनी बंथली वालों की सुपौत्री डाक्टर करिश्मा और जयपुर निवासी शंभु कुमार जैन चंदलाई वालों के सुपुत्र डाक्टर आकाश ने श्रमण परंपरा से गुरुवार को जगतपुरा के एक रिसोर्ट में दिन में शादी रचाई। शादी श्रमण संस्कृति संस्थान के विद्वान संजय शास्त्री व सौरभ जैन ने जिन पूजन व भक्ति के साथ परिवारजनों की उपस्थिति में शादी सम्पन्न करवाई। दुल्हन के पिता कमलेश कुमार जैन व माता दीपा जैन सहित परिजनों ने बारातियों का सादगी के साथ स्वागत किया तथा उपस्थित सगे सम्बंधियों ने दूल्हा-दुल्हन की इस पहल की सराहना करते हुए बधाई व शुभकामनाएं दी।

जवाहर कला केन्द्र में शास्त्रीय संगीत उत्सव शुरू

हम हैं कुल का जरिया, हमसे ही है सृष्टि का बहता दरिया

बेधड़क | जयपुर

'हम कन्या हैं, हमको बचा लो। हम हैं कुल का जरिया, हमसे ही है सृष्टि का बहता दरिया।' यह रचना सुनकर हर कोई भावुक और गंभीर हो गया। इसमें रचनाकार ने बताया कि किस तरह शब्दों के सार्थक प्रयोग से रचनाएं तैयार की जाती हैं।

फिर जब साहित्य की बात हुई तो कई आयाम सामने आए। मौका था जवाहर कला केन्द्र की ओर से कला संसार मधुरम के तहत आयोजित शास्त्रीय उत्सव की शुरुआत का, जिसमें पहले दिन ग्रामीण अंचलों के सौंदर्य को समेटने वाले शिल्पग्राम के प्राकृतिक परिवेश में 'साहित्य की सांगीतिक सर्जना और उसकी सर्वकालिक समसामयिक भूमिका' पर संवाद हुआ।

इसमें संस्कृतिकर्मी, कवि व कला आलोचक डॉ. राजेश व्यास, सांस्कृतिक लेखक ललित शर्मा 'अकिंचन' और मृदंग वादक डॉ. अंकित पारिख ने विचार रखे। प्रो. डॉ. मधु भट्ट तैलंग सूत्रधार रहीं। वहीं रंगायन सभागार में डॉ. श्याम सुंदर शर्मा की ध्रुवपद गायन प्रस्तुति हुई। उन्होंने विभिन्न तालों में निबद्ध ध्रुवपद की रचनाएं पेश कीं। इस मौके पर जवाहर कला केन्द्र की अतिरिक्त महानिदेशक प्रियंका जोधावत ने कहा कि केन्द्र में जारी कार्यशाला में भविष्य के कलाकार तैयार हो रहे हैं।

संवाद प्रवाह के दौरान मधु भट्ट तैलंग ने बताया, कि संगीत जहां आनंददायी होता है वहीं शास्त्रों में संगीत का मूल उद्देश्य मोक्ष प्राप्ति भी बताया गया है। डॉ. राजेश व्यास, ललित शर्मा और डॉ. अंकित पारिख ने भी महत्वपूर्ण जानकारी दी।

महिला 'ई-सशक्तिकरण' कार्यक्रम

100 युवतियों को मोबाइल देकर बनाएंगे तकनीकी रूप से मजबूत

बेधड़क | जयपुर

कानोड़िया पीजी गर्ल्स कॉलेज में महिला 'ई-सशक्तिकरण' कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने जानकारी दी तो गर्ल्स ने उत्साह से सवाल-जवाब किए। महाविद्यालय के नॉलेज एडवांसमेंट क्लब के द्वारा कंट्रोल एस डेटा सेंटर हैदराबाद के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) के वित्तीय सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। नॉलेज एडवांसमेंट क्लब की कॉर्डिनेटर डॉ. दीप्तिमा शुक्ला ने कार्यक्रम के उद्देश्यों से अवगत कराया, जिसमें महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए तैयारी कर रही 100 छात्राओं को स्मार्टफोन देकर तकनीकी रूप से सशक्त बनाना है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नवीन जैन (शिक्षा सचिव, राजस्थान सरकार) ने बताया कि ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का साधन हो सकते हैं, जो महिलाओं को नए-नए मौके उपलब्ध कराकर समाज की मुख्य धारा में बने रहने के अवसर देते हैं। कार्यक्रम में अतिथि रहे कंट्रोल एस डेटा सेंटर प्रबंध निदेशक राजीव त्रिवेदी ने बताया कि छात्राओं के हाथों में स्मार्टफोन उन्हें कक्षाओं के बाहर भी सीखने के मौके उपलब्ध कराता है।

डॉ. रश्मि चतुर्वेदी ने बताया, कि 'ई-सशक्तिकरण' कार्यक्रम ने कंट्रोल एस डेटा सेंटर द्वारा निभाई गई कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी में एक नई कड़ी जोड़ते हुए डिजिटल साक्षरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्यों को सम्मानित किया गया।

पहल | मोतियाबिंद के ऑपरेशन का तीन महीने चलने वाला महाशिविर 17 से

50 करोड़ खर्च करेंगे, ताकि 50 हजार लोग 'साफ' देख सकें

बेधड़क | जयपुर

जयपुर सहित प्रदेश और देश भर के 50 हजार जरूरतमंद लोगों के मोतियाबिंद के ऑपरेशन किए जाएंगे। इस पर 50 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे, जो कि एक रिकॉर्ड होगा। इससे मोतियाबिंद से जूझ रहे जरूरतमंद लोगों को फायदा होगा। देश भर में हजारों ऐसे लोग हैं जो ऑपरेशन का खर्च नहीं उठा सकते। मौका होगा गुजरात के राजकोट स्थित श्रीरणछोड़दासजी बापू चैरिटेबल अस्पताल की ओर से मोतियाबिंद के निःशुल्क ऑपरेशन के महाशिविर का, जो 17 दिसंबर से 17 मार्च तक पुष्कर में लगेगा। शिविर में पहले 30 हजार निःशुल्क ऑपरेशन का लक्ष्य था, लेकिन यह आंकड़ा 50 हजार तक पहुंचने का अनुमान है।

निःशुल्क सामग्री का होगा वितरण

ऑपरेशन के दौरान हर मरीज को 4 समय का भोजन, नाश्ता दिया जाएगा। ऑपरेशन के बाद 24 घंटे मरीज को ऑब्जर्वेशन में रखा जाएगा। बाद में मरीज को एक-एक कंबल, एक साड़ी, दो किलो चावल, 1 किलो गेहूं का आटा, आधा किलो मीठी बूंदी तथा किराए के लिए 100 रुपए नगद दिए जाएंगे।

यूं मिली प्रेरणा

भट्ट ने बताया कि रणछोड़दास बापू वर्ष 1946 में कहीं जा रहे थे। उन्होंने एक व्यक्ति को टकराकर चोटिल होते देखा। व्यक्ति ने बताया कि उसे मोतियाबिंद के कारण दिखाई नहीं देता है। यह सुनकर बापू द्रवित हो गए और उसी दिन उन्होंने मोतियाबिंद के उपचार का संकल्प लिया।

20 से ज्यादा डॉक्टर्स की टीम करेंगी ऑपरेट

ऑपरेशन आधुनिक फेको मशीन से होंगे और सॉफ्ट फोल्डेबल लेंस निःशुल्क लगाए जाएंगे। शिविर में ऑपरेशन के दौरान भोजन, चाय, नाश्ता, काला चश्मा, दवाई और ऑपरेशन के बाद वाला चश्मा सहित सबकुछ निःशुल्क दिया जाएगा। हॉस्पिटल के मैनेजिंग ट्रस्टी प्रवीण भाई वसाणी व अमित भट्ट ने बताया कि मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए अजमेर रोड पेट्रोल पंप के सामने श्रीराम द्वारा आश्रम पुष्कर में शिविर होगा, जो तीन महीने तक चलेगा।

सुबह 9 से शाम 5 बजे तक होंगे ऑपरेशन

रोज सुबह 9 से शाम 5 बजे तक 50 से अधिक सेवादारों की टीम के साथ डॉक्टर ऑपरेशन करेंगे। एक दिन में सैकड़ों ऑपरेशन किए जाएंगे। शिविर के लिए रजिस्ट्रेशन 17 दिसंबर को किए जाएंगे। वसाणी के अनुसार फेंको मशीन से सिर्फ ऑपरेशन करने में ही कम से कम 20 हजार रुपए तक का खर्चा आता है, जो बिल्कुल निःशुल्क होगा।

अवसर के बिना काबिलियत कुछ भी नहीं है।
विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

रूसी सेना में भर्ती के लिए भेजे जा रहे नेपाली गोरखा

यूक्रेन में लड़ रहे जंग, 12 तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी | एजेंसी.काठमांडू

नेपाल पुलिस ने एक बड़े गिरोह को गिरफ्तार किया है। जो लोगों को मजबूर कर रूस भेज रहा था ताकि वे यूक्रेन युद्ध में रूसी सेना के लिए लड़ सकें। पुलिस ने कहा कि रूसी सेना में भर्ती के लिए नेपाली गोरखाओं को कथित तौर पर अवैध रूप से रूस भेजने में संलिप्त गिरोह का भंडाफोड़ कर उसके सभी 12 सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने बताया कि पकड़े गए 10 लोगों पर यात्रा वीजा का वादा करके बेरोजगार युवाओं से बड़ी रकम वसूलने का आरोप है। बाद में वे लोगों को रूसी सेना में अवैध भर्ती के लिए मजबूर करते थे। काठमांडू की जिला पुलिस ने कहा कि रूसी सेना में भर्ती कराने के लिए गिरोह 'विजिट' वीजा आदि की व्यवस्था करने के लिए हर व्यक्ति से सात लाख से 11 लाख रुपए तक लेता था।

छह नेपाली मारे जाने के बाद एहतियात

सूत्रों ने बताया कि नेपाल पुलिस ने रूस-यूक्रेन युद्ध में छह नेपाली नागरिकों के मारे जाने के बाद मानव तस्करी की संभावित घटनाओं के खिलाफ एहतियाती कदम उठाए हैं। सूत्रों ने बताया कि नेपाल सरकार ने रूस से अपनी सेना में नेपाली नागरिकों की भर्ती नहीं करने का भी आग्रह किया है। इस सप्ताह की शुरुआत में, नेपाल सरकार ने रूस से नेपाली भाड़े के सैनिकों का इस्तेमाल बंद करने और सेवारत किसी भी व्यक्ति को वापस घर भेजने का आग्रह किया था।

10 संदिग्ध किए गिरफ्तार

काठमांडू जिला पुलिस ने कहा कि गुप्त सूचना के बाद पिछले कुछ दिनों में 10 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि इस बारे में सरकारी वकीलों से चर्चा कर रहे हैं और उन्हें अदालत में पेश करेंगे। जिला पुलिस ने कहा कि पकड़े गए लोगों ने अवैध रूप से प्रत्येक व्यक्ति से 9,000 डॉलर तक वसूले और उन्हें मुख्य रूप से यूएई के माध्यम से "यात्रा [पर्यटक] वीजा" पर रूस भेजा।

रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा केंद्रों पर हमले किए तेज

मानवीय स्थिति खराब: UN

एजेंसी | संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि यूक्रेन के ऊर्जा केंद्रों पर तेज हो रहे रूस के हमलों से युद्धग्रस्त देश में मानवीय स्थिति और अधिक बिगड़ रही है।

सहायक महासचिव मिरोस्लाव जेंका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया कि यूक्रेन के अहम असैन्य बुनियादी ढांचे पर रूस के रोजाना हमलों में कई लोगों की मौत हुई है और मॉस्को ने राजधानी कीव समेत रिहायशी इलाकों में अपनी गोलाबारी तेज कर दी है। उन्होंने कहा, 'सैन्य और असैन्य बुनियादी ढांचे के खिलाफ सभी हमले तुरंत बंद होने चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत ये निषिद्ध हैं और पूरी तरह अस्वीकार्य हैं।' जेंका ने यूक्रेन के सभी चारों परमाणु ऊर्जा संयंत्रों पर खतरे की आशंका भी जताई। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय समन्वयक रमेश राजासिंघम ने परिषद में कहा, 'मौत, घायल होने और अहम असैन्य बुनियादी ढांचों के विनाश का स्तर चौंकाने वाला है।' उन्होंने कहा, 'लोगों के पास बिजली और पानी नहीं है खासतौर से पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्र में।'

मानवीय संघर्ष विराम की होगी मांग

हाड़ कंपा देने वाली ठंड के बीच यह क्षति बुजुर्ग और दिव्यांगों समेत सबसे कमजोर लोगों के अस्तित्व को खतरे में डाल रही है। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने गाजा में आसन्न 'मानवीय विनाश' को लेकर सुरक्षा परिषद को चेतावनी देने के लिए बहुत कम प्रयोग की जाने वाली एक शक्ति का इस्तेमाल किया और उसके सदस्यों से तत्काल मानवीय संघर्ष विराम की मांग करने का अनुरोध किया।

UNSC के सदस्यों को भेजा पत्र

परिषद के 15 सदस्यों को बुधवार को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि दो महीने के युद्ध के बाद गाजा की मानवीय प्रणाली ढहने के कगार पर है। गुतारेस ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 99 का इस्तेमाल किया जो कहता है कि महासचिव परिषद के सदस्यों को उन मामलों के बारे में सूचित कर सकते हैं जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय शांति व सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाले लगते हैं।

रूस में 17 मार्च 2024 को होगा राष्ट्रपति पद का चुनाव

पुतिन का पद पर रहना लगभग निश्चित

एजेंसी | मॉस्को

रूस के सांसदों ने बुधवार को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए पांचवीं बार चुनाव लड़ने का मार्ग प्रशस्त करते हुए देश में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कराने की तारीख 17 मार्च 2024 तय की।

पुतिन (71) ने अभी तक चुनाव लड़ने के अपने इरादे की घोषणा नहीं की है लेकिन चुनाव की तारीख तय होने के साथ उनके आगामी दिनों में ऐसा करने की उम्मीद है। पुतिन द्वारा किए गए संवैधानिक सुधारों के तहत वह अगले साल अपना मौजूदा कार्यकाल समाप्त होने के बाद दो बार और छह साल के कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ सकते हैं। रूस की राजनीतिक प्रणाली पर कड़ी पकड़ बनाए रखने के साथ पुतिन की जीत लगभग तय मानी जा रही है। चुनाव में उन्हें चुनौती देने वाले उनके संभावित आलोचक या तो जेल में बंद हैं या विदेश में रह रहे हैं और ज्यादातर स्वतंत्र मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

जनमत सर्वेक्षणों के अनुसार यूक्रेन में येवगेनी प्रिगोजिन की बगावत का पुतिन की साख पर कोई असर पड़ता नहीं दिखता है।

US: विवि में गोलीबारी, 3 लोग मरे

लास वेगास। अमेरिका के लास वेगास स्थित नेवादा विवि परिसर में तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि चौथा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है। संदिग्ध हमलावर भी मारा गया। विश्व प्रसिद्ध 'लास वेगास स्ट्रिप' से कुछ ही मील दूर हुए इस हमले के बाद बुधवार सुबह भारी संख्या में पुलिस बल विवि परिसर पहुंचा।

बुशरा बीवी और वकील की बातचीत लीक

आईएसआई से रिपोर्ट की तलब

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम से इस बारे में एक रिपोर्ट पेश करने को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी और उनके वकील लतीफ खोसा के बीच टेलीफोन पर हुई बातचीत की ऑडियो 'क्लिप' कथित तौर पर लीक होने के पीछे किसका हाथ था।

रिपोर्ट के अनुसार अदालत ने एफआईए को बुशरा बीबी और उनके वकील के बीच बातचीत की क्लिप की फोरेंसिक जांच करने के लिए भी कहा ताकि यह पता चल सके कि यह कहां से जारी किया गया।

जस्टिस बाबर सत्तार ने खोसा द्वारा उनके और उनके मुवक्किल के बीच हुई बातचीत की ऑडियो लीक होने के खिलाफ दायर एक याचिका की सुनवाई के दौरान यह आदेश जारी किया।

पूरा डूबा एक गांव

सीलिंग फैन तक पहुंच गया था पानी

■ गांव की जगह समंदर बना, 16 लोगों की मौत

एजेंसी | एथेंस

ग्रीस के मेटामॉरफोसी गांव में पहले भी बाढ़ आई थी। पूरा गांव पानी में डूब गया था। ये बात 1953 और 1994 की है। इस बार सितंबर में 4 और 7 तारीख के बीच वहां डेनियल तूफान आया। इसके साथ आई जबरदस्त बारिश में पूरा गांव फिर डूब गया। गांव की जगह समंदर बन गया, 16 लोग मारे गए। दो तो गांव में ही डूबकर मर गए। अब यह गांव पूरी तरह से खाली हो चुका है। लोगों के सामान कहीं खुले में तो कहीं सड़कों के किनारे पड़े हैं। दो महीने लग गए पानी खत्म होने में, अब इस गांव के लोग यहां नहीं रहना चाहते।

लोग चाहते हैं पास के गांव में बसना

अब इस गांव के लोग चाहते हैं कि उन्हें 8 किमी दूर मौजूद पालामास गांव में नए घर बनाकर दिए जाएं। इसके लिए गांव के 142 लोग पक्ष में हैं, जबकि 14 लोग विरोध में, मेटामॉरफोसी समुदाय के प्रेसिडेंट पेट्रोस कोंटोजियानिस ने कहा कि 15 लोग मौजूद नहीं थे वोटिंग के समय, वो गांव से बाहर रहते हैं। पेट्रोस ने कहा कि हमारी वोटिंग से यह पता चलता है कि यहां के लोग अब इस गांव में रहकर हर बार त्रासदी का शिकार नहीं बनना चाहते।

जलवायु परिवर्तन है डूबने की वजह

इस गांव के लोगों को आशंका है कि उनका यह गांव हर तीस साल में डूबेगा। इस डर से वे चाहते हैं कि यहां से 8 किमी दूर बसें। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस गांव के बार-बार डूबने की वजह जलवायु परिवर्तन से होने वाला मौसमी बदलाव है। लगातार ग्लोबल वार्मिंग बढ़ने से गांव के आसपास का मौसम अचानक से बदल जाता है, जो कि यहां की भौगोलिक स्थिति के लिए ठीक नहीं है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

“सच बेधड़क” दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl